संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 256
पृष्ठ 8
शनिवार
07 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- तकिया लेकर सोने की आदत कर...
विचार- विदेश नीति में नाकामी के कुछ...
खेल- न्यूजीलैंड ने रॉब वाल्टर को...

गोरखपुर वासियों को सीएम योगी की सौगात

सूरजकुंड में कल्याण मंडपम का किया लोकार्पण

गोरखपुर, संवाददाता। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि क्लाइमेट चेंज के कारण असमय बरसात, सूखा से पूरा जनपद चपेट में आता है। सड़क किनारे पेड़ लगाएं। कभी गोडधोइया भी एक नदी थी, फिर नाला बना और उसपे कब्जा हो गया। अब वह दोबारा स्वच्छ हो रहा है। हमने अपने स्वार्थ के लिए उसे नाला बना दिया फिर किसी ने कॉलोनी काट दी। जलसंकट से बचाव के लिए नदियों को पुनर्जीवित करना होगा। एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाएं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को सूरजकुंड में बने कल्याण मंडपम के लोकार्पण के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी सभ्य समाज के लिए उसके जरूरत के अनुरूप आवश्यक संसाधन जुटाना सरकार का काम होना चाहिए। नागरिक

सुविधाओं को जितना सहज और सरल बना सकें। यह बहुत जरूरी है कि आज के समय में अलग–अलग तबके के लोगों के लिए उसकी आय के अनुरूप सुविधाओं को बना सकें। 11 हजार या 25 हजार में किसी गरीब को यह कल्याण मंडपम मिल जाए तो वह अच्छे ढंग से मांगलिक कार्य कर सकता है। गोरखपुर नगर निगम प्रदेश में पहला है जो सात मंडपम बना रहा है। मैंने अपनी विधायक निधि का सारा पैसा इसके लिए दे दिया। अलग–अलग वार्डों में मंडपम बन रहा है। इसमें लगभग 300 लोगों के बैठने के लिए सभागार है। सीएम ने कहा कि सेफ सिटी का मतलब जहां हर कोई खुद को सुरक्षित महसूस कर सके। जो भी उनकी सुरक्षा में सेंध लगाए उसको इसका नतीजा पता होना चाहिए। बरसात के पहले नालों की सफाई हो जाए तो जलभराव की समस्या नहीं आएगी।

गोरखपुर के बच्चों का पलायन बंद हुआ : रविकिशन

नियमित रूप से कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था हो। बरसात के दौरान अब गोरखपुर शहर में दो भाग में नहीं बंटता। पार्षदों की जिम्मेदारी है कि मोहल्ले में स्वच्छता समिति का गठन करें। इसके तहत पौधरोपण करें। आने वाली पीढ़ी के लिए एक बेहतर भविष्य दें। सीएम ने कहा कि नागरिकों से अपील है कि घर के बाहर कैमरा जरूर लगाएं। प्रशासन के साथ आप सहभागी बनेंगे तो सुरक्षा का एहसास मिलेगा। साफ सफाई के प्रति जागरूक रहें। पहले गोरखपुर की सभी सड़कें सिंगल लेन की थीं। आज गोरखपुर के अंदर सभी मार्ग फोरलेन के हो चुके है। 10 हजार लोगों के बैठने वाले कन्वेंशन सेंटर का निर्माण हो रहा है। रामगढ़ताल लोगों को आकर्षित कर रहा है। आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण 30 जून को राष्ट्रपति के हाथों संभावित है।

सांसद रविकिशन शुक्ला ने कहा कि इस तरह से सात मंडपम तैयार हो रहे हैं। बाहर में 10 से 12 लाख रुपये तक लग जाते हैं हॉल बुक करने के लिए। 11 हजार से मंडपम में बुकिंग शुरू है। अब कोई गोरखपुर से बाहर नहीं जाना चाहता। रामगढ़ताल किनारे सभी रिंग रोड बन जाने से कई हजार लोगों को रोजगार मिल जाएगा। जहां पहले क्राइम होता था, वहां अब रोजगार मिल रहा है। गोरखपुर के बच्चों ने पलायन करना बंद कर दिया है। सेंट्रली एसी में गरीब अपनी बेटी की शादी कर सकेगा। यही रामराज्य है।

मोदी ने रियासी में दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेल पुल का किया उद्घाटन

कटरा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जम्मू–कश्मीर के रियासी जिले में दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेल पुल का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री के साथ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, जम्मू–कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे। उद्घाटन से पहले श्री मोदी ने पुल का निरीक्षण किया और इंजीनियरों तथा मजदूरों से बात की, जिन्होंने एक सपने को हकीकत में बदल दिया। चिनाब रेल पुल उत्कृष्ट वास्तुकला का जीता जागता उदाहरण है, यह नदी से 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे का अर्द्ध चंद्राकार पुल है। यह उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल)

परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह पुल 1315 मीटर लंबा है। स्टील अर्द्ध चंद्राकार पुल पर भूकंप और तूफान का कोई असर नहीं पड़े, इस तरह से बनाया गया है। पुल पर ट्रेन की आवाजाही शुरू होने पर जम्मू और श्रीनगर के बीच सफर आसान हो जायेगा। पुल पर चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के माध्यम से, कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा करने में महज तीन घंटे लगेंगे, जिससे मौजूदा यात्रा समय दो से तीन घंटे कम हो जायेगा। जम्मू और श्रीनगर के बीच 272 किलोमीटर लंबी यूएसबीआरएल परियोजना लगभग 43,780 करोड़ रुपये की लागत से बनायी गयी है, और इस दूरी को तय करने के दौरान 36 सुरंगें और 943 पुल आते हैं।

रिजिजू ने वक्फ संबंधित उम्मीद पोर्टल लॉन्च किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामले एवं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने केंद्रीय पोर्टल 'उम्मीद' का शुभारंभ करने के बाद शुक्रवार को कहा कि यह वक्फ संपत्ति प्रबंधन तथा प्रशासन के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगा। श्री रिजिजू ने कहा कि इससे न केवल पारदर्शिता आएगी बल्कि आम मुसलमानों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को भी मदद

मिलेगी। यह पोर्टल अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा करने और समुदाय के स्वामित्व वाली वक्फ संपत्तियों का प्रभावी और निष्पक्ष उपयोग सुनिश्चित करने के लिए सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियों की वास्तविक समय पर अपलोडिंग, सत्यापन और निगरानी के लिए एक केंद्रीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगा। इस पोर्टल से भारत भर में वक्फ संपत्तियों के प्रशासन में व्यापक बदलाव आने की उम्मीद है, जिससे अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और सार्वजनिक भागीदारी आएगी।

मोदी को सरेंडर करने की आदत, बिहार में बोले राहुल गांधी

असली जातिगत जनगणना नहीं करवाएगी भाजपा सरकार

गया, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एक रणनीतिक कदम उठाते हुए, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को गया जिले के दशरथ नगर गांव का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान, गांधी ने दशरथ मांझी के परिवार से मुलाकात की, जो गेहलौर गांव में एक पहाड़ को काटकर रास्ता बनाने के अपने उल्लेखनीय प्रयास के लिए प्रसिद्ध हैं। गांधी का दशरथ के बेटे भागीरथ मांझी ने गर्मजोशी से स्वागत किया, जिन्होंने पारंपरिक आतिथ्य के साथ उनका स्वागत किया। नेता ने परिवार के साथ नारियल पानी साझा किया, वित्तीय कठिनाइयों के बारे में उनकी चिंताओं को सुना, और गंभीर चर्चा की। इसके बाद राहुल गांधी ने एक सभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार कभी भी असली जातिगत जनगणना नहीं करवाएगी, क्योंकि जिस दिन इन्होंने असली जातिगत जनगणना कर ली, उस दिन इनकी राजनीति खत्म हो जाएगी। जातिगत जनगणना के दो मॉडल हैं– एक भाजपा वाला मॉडल, दूसरा तेलंगाना का मॉडल। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के मॉडल में बंद कमरे में अफसरों ने सवाल तय किए, जिनमें 90प्रतिशत का कोई नहीं था। जातिगत जनगणना में सबसे जरूरी ये है कि कौन से सवाल पूछे जा रहे हैं। राहुल ने दावा किया कि हमने तेलंगाना में जनता से खुले तौर पर सवाल पूछे। हमने दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों और उनके एसोसिएशन से कहा कि हम जातिगत जनगणना करवाने जा रहे हैं– आप कैसे सवाल चाहते हैं? हमें हर वर्ग के लोगों ने अलग तरह के सवाल दिए। करीब 3 लाख लोगों ने खुली बैठकों में जातिगत जनगणना के सवाल तैयार किए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि नरेंद्र मोदी हर भाषण में कहते थे– मैं ओबीसी हूं फिर जातिगत जनगणना पर कहते हैं कि हिंदुस्तान में तो जाति ही नहीं है, अगर हिंदुस्तान में जाति नहीं है, तो नरेंद्र मोदी कैसे ओबीसी हो गए। मेरा लक्ष्य है– जातिगत जनगणना मैंने लोकसभा में नरेंद्र मोदी के सामने आंख से आंख मिलाकर कहा था – जातिगत जनगणना होगी और आपको तो पता है, उनको सरेंडर करने की आदत है।

नीट–पीजी परीक्षा तीन अगस्त को एक ही पाली में

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने श्नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशनश (एनबीई) को मेडिकल के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 15 जून को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट–पीजी) 2025, तीन अगस्त को एक ही पाली में आयोजित करने की शुक्रवार को अनुमति दी। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने एनबीई की याचिका पर यह आदेश पारित किया। अदालत ने इस संस्था की दलीलें विस्तार पूर्वक सुनने के बाद परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाने उसकी अर्जी स्वीकार कर ली। इससे पहले 30 मई को न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने अदिति और अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनबीई को 15 जून को पूर्व निर्धारित दो की बजाय एक ही पाली में आयोजित कराने का निर्देश दिया था। अदालत ने यह भी कहा था कि जरूरत पड़ने पर एनबीई परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाने की अनुमति के लिए गुहार लगा सकती है।

शीर्ष अदालत के इस आदेश के बाद एनबीई ने परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ने समेत सुरक्षा संबंधी अन्य उपाय करने का हवाला देते हुए तीन जून को एक आवेदन के जरिए परीक्षा को तीन अगस्त को आयोजित करने की अनुमति मांगी थी।

आईआईटी कानपुर में महिला वैज्ञानिक सरोज चंद्रशेखर मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित

कानपुर, संवाददाता। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर में शुक्रवार को आयोजित एक समारोह में जैव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिला वैज्ञानिकों को सरोज चंद्रशेखर मेमोरियल अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रख्यात वैज्ञानिक प्रोफेसर सरोज चंद्रशेखर की स्मृति में प्रदान किया जाता है, जिन्होंने तपेदिक (टीबी) पर महत्वपूर्ण अनुसंधान कर चिकित्सा विज्ञान में उल्लेखनीय योगदान दिया। प्रोफेसर चंद्रशेखर

ने बॉम्बे विश्वविद्यालय से स्नातक की शिक्षा ग्रहण की थी तथा 1950 में इंपीरियल कॉलेज, लंदन से बैक्टीरियोलॉजी में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की थी। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया, साथ ही अमेरिका के जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय में भी अध्यापन किया। सम्मान समारोह में एम्स, नई दिल्ली की प्रोफेसर सुजाता शर्मा तथा आईआईटी कानपुर की डॉ. नगमा परवीन ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। दोनों वैज्ञानिकों ने अपने शोध कार्यों की प्रस्तुति दी एवं विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रोफेसर शर्मा संरचनात्मक जीवविज्ञान की विशेषज्ञ हैं, जबकि डॉ. परवीन वायरस से संबंधित अनुसंधान कार्यों में संलग्न हैं। समारोह में तीन युवा महिला शोधकर्ताओं को भी उनके पीएचडी अनुसंधान कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

जिसमें योगिता कपूर, सीएसआईआर–सीसीएमबी, हैदराबाद से, को तपेदिक से संबंधित बैक्टीरिया की वृद्धि एवं विभाजन पर शोध के लिए, हर्षा रानी, इंस्टीट्यूट ऑफ बायोइन्फॉर्मेटिक्स एंड एप्लाइड बायोटेक्नोलॉजी, मणिपाल से, को कोलोरेक्टल कैंसर में च53 जीन की भूमिका पर अध्ययन के लिए तथा अंतिमा अंकिता मेनन, आईआईटी पालक्कड़ से, को औषधि व बायोमार्कर की पहचान हेतु बायोसेंसर विकसित करने के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को मिली जान से मारने की धमकी, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को गुरुवार (5 जून) को पुलिस कंट्रोल रूम (पीसीआर) को कॉल करके जान से मारने की धमकी दी गई।

पीसीआर कॉल कल रात करीब 11रू00 बजे गाजियाबाद पुलिस को की गई। गाजियाबाद पुलिस ने दिल्ली पुलिस को जान से मारने की धमकी के बारे में जानकारी दी। कॉल करने वाले का फोन फिलहाल बंद है और इस मामले की जांच चल रही है। इससे पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली सरकार ने शहर के सभी स्कूलों में वाटर वेंडिंग मशीनें लगाने का फैसला किया है। उन्होंने अपने शालीमार बाग निर्वाचन क्षेत्र में जल मंत्री प्रवेश वर्मा के साथ एक स्थानीय सरकारी स्कूल के दौरे के दौरान वाटर एटीएम का उद्घाटन किया। एक सभा को संबोधित करते हुए गुप्ता ने पिछली आप सरकार पर ष्अपने शिक्षा मॉडल का बखान करनेष का आरोप लगाया और उस पर लाखों कमज़ोर छात्रों को स्कूलों से निकालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शालीमार बाग़ विधानसभा क्षेत्र के हैदरपुर इलाके में विज्ञान की पढ़ाई के लिए एक भी स्कूल नहीं है।

शुभकामना

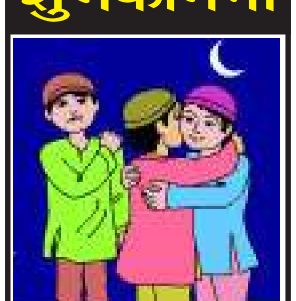

ईद–उल–अज़हा के पावन पर्व पर समस्त नागरिकों, सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभेच्छुओं को हार्दिक शुभकामनायें।

–सम्पादक

सूचना

ईद–उल–अज़हा के उपलक्ष्य में प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक ०९ जून को प्रकाशित होगा।

–व्यवस्थापक

प्रतापगढ़ उ.प्र.(भारत) की शिक्षिका के सिर सजा ताज: थाईलैंड में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर हुआ सारस्वत सम्मान

बैंकॉक / प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ की बाल शिक्षा जगत में उत्कृष्ट पहचान रखने वाली एंजिल आइडियल मांटेसरी स्कूल प्रतापगढ़ की कर्मठ एवं कुशल पूर्व प्रधानाचार्या श्रीमती विनय श्रीवास्तव,पत्नी डॉ. विनय कुमार श्रीवास्तव को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के होटल बैंकाक पैलेस में आयोजित श्भव्य अंतर्राष्ट्रीय महिला शिक्षिका सम्मान समारोह–2025श में उनके शैक्षिक योगदान के लिए विशेष सम्मान से नवाजा गया। इस गौरवपूर्ण आयोजन में उनके सिर पर मिसेज एशिया यूनिवर्स डॉ.पूजा शैलेन्द्र निगम द्वारा ताज पहना कर उन्हें समारोह पूर्वक सम्मानित किया गया,जिससे न केवल उनका ही बल्कि प्रतापगढ़ जिले का भी नाम अंतर्राष्ट्रीय पटल पर रोशन और गौरवान्वित हुआ। यह ऐतिहासिक अंतर्राष्ट्रीय समारोह धरा धाम इंटरनेशनल और देवनागरी उत्थान फाउंडेशन तथा एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के संयुक्त प्रयास एवं तत्वावधान में संपन्न हुआ,जिसका सफल संचालन मिसेज एशिया यूनिवर्स डॉ.पूजा निगम द्वारा किया गया। इस अवसर पर देश–विदेश की अनेक सुयोग्य शिक्षिकाओं को भी शिक्षा क्षेत्र में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

समारोह के आयोजक सौहार्द

शिरोमणि संत डॉ. सौरभ पांडेय एवं डॉ. सुनील कुमार दुबे जी ने श्रीमती विनय श्रीवास्तव सहित सभी सम्मानित शिक्षिकाओं को शुभाशीष देते हुए उनके शैक्षिक एवं सामाजिक योगदान की सराहना की।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से धराधाम इंटरनेशनल के संस्थापक एवं मानद कुलपति प्रो. डॉ. सौरभ पांडेय महाराज,राष्ट्र भाषा सेवा संघ एवं देवनागरी उत्थान फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. सुनील कुमार दुबे, थाईलैंड सरकार के शिक्षा मंत्री डॉ. मोनरुडी सोमार्ट सहित इंडोनेशिया एवं थाईलैंड के राजघरानों के प्रतिनिधि, अंतर्राष्ट्रीय गणमान्यजन एवं शिक्षाविद आदि उपस्थित रहे। इस ष्क्राउनिंग सम्मानष को पाकर श्रीमती विनय श्रीवास्तव ने इसे महिला शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाने वाला प्रेरणादायी क्षण बताया और अपने अनुभव को शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में और अधिक योगदान हेतु समर्पित किया। इस ऐतिहासिक सम्मान के लिए आयोजक संस्था के सभी सम्मानित आयोजकों, संयोजकों और विभिन्न अति महत्वपूर्ण विशिष्ठ सम्मानित अतिथियों को उर तल से अपना साधुवाद देते हुए उन सभी के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त किया।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्ति की सूचना पाकर घर,परिवार,स्वजनों,परिजनों,रिश्तेदारों और महिला शिक्षक मित्रों द्वारा फोन एवं व्हाट्सएप पर बधाई देने वालों का तांता लगा है।

पारस्परिक अंतर जनपदीय तबादले से जिले में आए 237 शिक्षक

प्रयागराज। शैक्षिक सत्र 2024–25 में पारस्परिक अंतर जनपदीय तबदले में जिले के परिषदीय विद्यालयों को 237 शिक्षक मिले हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने आवंटित विद्यालयों की सूची भेजते हुए सभी खंड शिक्षाधिकारियों को निर्देशित किया है कि संबंधित स्कूल में शिक्षकों को कार्यभार ग्रहण कराना सुनिश्चित करें। कौशांबी से 70, प्रतापगढ़ से 29, संत रविदास नगर (भदोही) से 20 और जौनपुर से 16 शिक्षकों का तबादला हुआ है। आगरा से पांच शिक्षकों रेनू यादव, प्रियंका ओझा, चन्द्रकांति, प्रियंका आर्या और अजीत कुमार का स्थानान्तरण हुआ है।

लगातार दूसरे महीने सबसे पीछे प्रयागराज

प्रयागराज। आईजीआरएस निस्तारण में लापरवाही पर 16 लेखपालों का निलंबन काफी नोटिस देने के बाद किया गया। जनवरी से लगातार प्रयागराज की रैंकिंग खराब आ रही है। जनवरी महीने में प्रयागराज प्रदेश में 66वें स्थान पर था, जबकि फरवरी में 72वें, मार्च में 74वें, अप्रैल व में में 75 वें स्थान आ गया। प्रदेश में सबसे निचले पायदान पर आने के कारण यह कार्रवाई की गई है। जिन विभागों की शिकायत निस्तारण में सबसे खराब स्थिति है, उसमें पहले स्थान पर बिजली विभाग है। इसके बाद बेसिक शिक्षा, खनन व पीडीडीआरडीए जैसे विभाग शामिल हैं। विभागों की आई शिकायतों पर लेखपालों ने ठीक से निस्तारण नहीं किया। तमाम मामलों में बिना सुनवाई किए बिना जांच आख्या लगा दी है। जिसके कारण यह कार्रवाई की गई है। जिला अधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ का कहना है कि लापरवाही करने वाले अन्य अधिकारियों को भी चिन्हित कर लिया गया है। उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

महिला को अज्ञात युवक ने मारी चाकू

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र के उमरपुर में गुरुवार की रात एक महिला को अज्ञात युवक चाकू से हमला कर फरार हो गया। पेट में चाकू लगने से महिला का पुलिस ने अस्पताल में इलाज करवाया। पुलिस अज्ञात हमलावर की तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार उमरपुर निवासी 36 वर्षीय कल्लो घरों में चौका बर्तन करने का काम करती है। कल्लो का पति विजय गैर प्रांत में गाड़ी चलाने का काम करता है। कल्लो गुरुवार की रात शौच के लिए घर से बाहर निकली थी। रास्ते में एक युवक ने रास्ता रोक लिया। विरोध करने पर युवक ने चाकू से प्रहार कर दिया। पेट में चाकू लगने से कल्लो जख्मी हो गई। चीख पुकार सुनकर जब तक आस–पास के लोग पहुंचते, तब तक आरोपी फरार हो गया। थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि महिला से पूछताछ के आधार पर अज्ञात हमलावर की तलाश की जा रही है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

परेड ग्राउंड में लकड़ी के ढेर में लगी आग

प्रयागराज। राष्ट्रीय राजमार्ग के बगल में परेड ग्राउंड स्थित पीडब्ल्यूडी कार्यालय खंड–1 में शुक्रवार की सुबह लगभग नौ बजे जलवानी लकड़ी के ढेर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग की उठती लपटों को देख लोगों में खलबली मच

गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने अथक प्रयास कर आग पर काबू किया। आग को समय से बुझा देने से कार्यालय तक आग की लपटें नहीं पहुंच सकी। सीएफओ डॉ आरके पांडेय ने बताया कि लकड़ी के ढेर में अज्ञात कारणों से आग लगी थी। फायर टीम ने समय रहते आग पर नियंत्रण कर लिया। आगलगी से किसी तरह जनहानि नहीं हुई है।

प्रतिस्पर्धी बाजार ने प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को किया धीमा

प्रयागराज। इंस्ट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया (आईईआई) लोकल सेंटर में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। बायोपॉलिमर के प्रकाश में जलवायु परिवर्तन पर 'प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं विषय पर संगोष्ठी हुई। अवनीश कुमार दुबे ने कहा कि प्रतिस्पर्धी बाजार और वैश्विक उपभोक्तावाद के दृष्टिकोण ने प्रदूषण नियंत्रण प्रयासों की गति को धीमा कर दिया है। इंजीनियर उदय प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि पीढ़ियों को बचाने के लिए प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए सभी उपकरणों और तकनीकों को विकसित करना समय की मांग है। इस अवसर पर प्रो. प्रदीप कुमार दत्ता ने भी अनुभव साझा किए।

रीजनिंग एवं लीगल एप्टीट्यूड के होंगे 50 सवाल

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के शैक्षिक सत्र 2025–26 में दाखिले के लिए परास्नातक प्रवेश परीक्षा (पीजीएटी) 10 जून से प्रस्तावित है। एलएलबी में दाखिले के लिए 13 जून को प्रथम पाली में प्रवेश परीक्षा होगी। इसकी प्रवेश परीक्षा देश के विभिन्न केंद्रों पर हाइब्रिड मोड (ऑफलाइन एवं ऑनलाइन) में होगी। परीक्षा के लिए ऑनलाइन मोड में प्रवेश पत्र जारी कर दिया गया है। इस बार एलएलबी में प्रवेश परीक्षा में रीजनिंग (तार्किक) और लीगल एप्टीट्यूड (विधिक अधिक्षमता) से जूड़े 50 सवाल पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा में तीन खंड से सवाल पूछे जाएंगे। प्रत्येक खंड में पचास–पचास प्रश्न होंगे। प्रथम खंड में सामान्य हिंदी व सामान्य अंग्रेजी विषय के 25–25 सवाल पूछे जाएंगे।

द्वितीय खंड में सामान्य अध्ययन के 50 और तृतीय खंड में तर्क एवं मानसिकता अधिक्षमता के 25 जबकि विधिक अधिक्षमता के 25 सवाल होंगे। सभी प्रश्न दो–दो अंक और बहुविकल्पी होंगे। दो घंटे में अभ्यर्थियों को 300 अंकों की प्रवेश परीक्षा होगी। एलएलबी में इविवि एवं कॉलेज में 900 सीटों के सापेक्ष प्रवेश होगा। इसमें इविवि कैंपस, सीएमपी डिग्री कॉलेज और इलाहाबाद डिग्री कॉलेज (एडीसी) में 300–300 सीटों पर दाखिला होगा। एलएलबी में दाखिले के लिए 9000 से ज्यादा अभ्यर्थियों ने फार्म भरा है। यानी एक सीट के सापेक्ष तकरीबन दस विद्यार्थियों ने दावेदारी की है।

सात साल से भर्ती नहीं, बताए सरकार कहां जाएं बेरोजगार

प्रयागराज। परिषदीय प्राथमिक स्कूलों में सात साल से शिक्षक भर्ती का इंतजार कर रहे बेरोजगारों का सब्र अब जवाब दे चुका है। डीएलएड और टीईटी/सीटीईटी पास युवाओं ने उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के बाहर बेमियादी धरना शुरू कर दिया है। उनकी एक ही मांग है कि सरकार प्राथमिक शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जारी करे। डीएलएड करने वाले पांच लाख से अधिक बेरोजगार दर–दर की ठोकरें खाने को विवश हैं। उत्तर प्रदेश में भर्ती नहीं आने के कारण पड़ोसी राज्यों बिहार, मध्य प्रदेश, दिल्ली आदि की भर्ती में जाने को विवश हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में चार सालों से शिक्षक पात्रता परीक्षा नहीं कराई जा सकी है।

शिक्षक भर्ती परिषदीय प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों के 1.20 लाख से अधिक पद खाली होने के बावजूद बेसिक शिक्षा मंत्री ने फरवरी में विधानसभा सत्र के दौरान नई भर्ती शुरू करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि शिक्षक–छात्र अनुपात पूरा है। यही कारण है कि परिषदीय प्राथमिक स्कूलों में 68,500 सहायक अध्यापक भर्ती में रिक्त 27,713 पदों पर भर्ती शुरू नहीं हो सकी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अगस्त 2024 में बेसिक शिक्षा विभाग को दो महीने में 27,713 पदों पर नए सिरे से भर्ती शुरू करने के आदेश दिए थे। हालांकि स्कूलों में छात्र–शिक्षक अनुपात मानक के अनुसार बताते हुए बेसिक शिक्षा विभाग के अफसरों ने भर्ती के लिए शिक्षा सेवा चयन आयोग को रिक्त पदों की सूचना ही नहीं भेजी। नवगठित आयोग की अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय ने दो बार सभी अफसरों के साथ बैठक कर रिक्त पदों का ब्योरा मांगा है लेकिन बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से रिक्त पदों की कोई जानकारी नहीं दी गई है। आखिरकार भर्ती ही नहीं करनी है तो डीएलएड प्रशिक्षण बंद क्यों नहीं करते

हैं। प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों के 79296 पद रिक्त परिषदीय स्कूलों में सीधी भर्ती प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक पद पर होती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार प्राथमिक स्कूलों में सहायक अध्यापकों के स्वीकृत कुल 4,17,886 पदों के सापेक्ष 79,296 रिक्त हैं। इनमें 57,405 पद सीधी भर्ती के और 21,891 पद पदोन्नति के हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में स्वीकृत 1,62,198 पदों के सापेक्ष 41,338 पद रिक्त हैं और ये सभी पद पदोन्नति के हैं। प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापक 3,38,590 एवं छात्र नामांकन 1,04,93,389 के सापेक्ष छात्र–शिक्षक अनुपात 30रू1 एवं 143450 शिक्षामित्र को जोड़ने पर छात्र–शिक्षक अनुपात 22रू1 है जो मानक के अनुसार पूर्ण है। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापक 1,20,860 एवं छात्र नामांकन 43,14,803 के सापेक्ष छात्र–शिक्षक अनुपात 35रू1 है। इसमें 25,223 अनुदेशक की संख्या शामिल कर ली जाए तो छात्ररूशिक्षक अनुपात 29रू1 है जो मानक के अनुसार पूर्ण है। यूपी में चार साल से नहीं हुई शिक्षक पात्रता परीक्षा युवाओं का कहना है कि शिक्षक भर्ती को लेकर सरकार की उदासीनता का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि उत्तर प्रदेश में चार सालों से शिक्षक पात्रता परीक्षा नहीं कराई जा सकी है। नवंबर 2021 में पेपरलीक के कारण उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी–टीईटी) 2021 दोबारा 23 जनवरी 2022 को कराई जा सकी थी। प्राथमिक स्तर की टीईटी के लिए पंजीकृत 12,91,628 अभ्यर्थियों में से 11,47,090 परीक्षा में सम्मिलित हुए और उनमें से 4,43,598 (38.67 या 39 प्रतिशत) पास थे। उच्च प्राथमिक स्तर की टीईटी के लिए पंजीकृत 8,73,553 अभ्यर्थियों में से 7,65,921 परीक्षा में सम्मिलित हुए। इनमें से 2,16,994 (28.33 या 28 प्रतिशत) पास हुए थे। इसका परिणाम आठ अप्रैल 2022 को घोषित किया गया था। जिसमें 660592 अभ्यर्थी पास हुए थे। इन अभ्यर्थियों को शिक्षक भर्ती का मौका नहीं मिला और इनके प्रमाणपत्र भी धूल फांक रहे हैं। उधर नवगठित आयोग को टीईटी कराने की जिम्मेदारी मिली है लेकिन परीक्षा के कोई आसार नजर नहीं आ रहे। बेरोजगारों का दर्द –2018 के बाद से परिषदीय प्राथमिक स्कूल में नहीं आई शिक्षक भर्ती –शिक्षकों के 1.20 लाख पद खाली, फिर भी भर्ती का नहीं आ रहा विज्ञापन प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में 51112 पदों के रिक्त होने का हलफनाफा लगाया था। डीएलएड 2017, 18 व 19 बैच के लगभग पांच लाख योग्य अभ्यर्थियों को एक बार भी शिक्षक भर्ती का मौका नहीं मिला। हर साल 10 से 15 हजार परिषदीय शिक्षक सेवानिवृत्त हो जाते हैं। इस हिसाब से सात साल में 70 हजार से अधिक पद खाली हो चुके हैं लेकिन भर्ती का पता नहीं है। ––हमारी भी सुनें–– उत्तर प्रदेश में 1.26 लाख पद रिक्त होने के बाद भी सात वर्षों से नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती का विज्ञापन नहीं आया है। हम सब अब अपनी मांगों को लेकर आयोग में अनवरत धरने पर बैठे हैं, यह निरंतर चलता रहेगा।–रजत सिंह 2018 के बाद से लगभग 10 लाख छात्र डीएलएड कर चुके हैं लेकिन पिछले सात वर्षों से शिक्षा मंत्री अनुपात–समानुपात का पहाड़ा पढ़ा रहे हैं जबकि हजारों अध्यापक रिटायर हो चुके हैं।–मुकेश वर्मा हाईकोर्ट ने 68500 शिक्षक भर्ती में रिक्त 27 हजार से अधिक सीटों पर नियुक्ति के आदेश दिए हैं। फिर भी शिक्षा मंत्री का कहना है कि शिक्षक–छात्र अनुपात बराबर है। इसलिए धरना अनवरत जारी रहेगा।–जयशंकर सरोज मैंनें 2017 बैच में डीएलएड किया है। पिछले सात सालों से कोई शिक्षक भर्ती नहीं आई है। हम कोई बड़े घर के लोग नहीं हैं, गरीब घरों से आए हैं। भर्ती न आने की वजह से हम लोग मानसिक अवसाद से गुजर रहे हैं।–दीपक यादव मैं 2019 बैच का प्रशिक्षु हूं। शिक्षक भर्ती न आने के कारण मानसिक प्रताड़ना का शिकार हो गया हूं। सरकार से यही मांग है कि अनुपात समानुपात का रोना न रोए और शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जल्द से जल्द जारी करे।–धीरज कुमार मैं 2017 बैच का डीएलएड का विद्यार्थी हूं और जब से हमारा बैच पूरा हुआ है तब से अब तक हमें अपनी योग्यता दिखाने का अवसर ही नहीं मिला। हमें कम से कम एक मौका तो मिले अपनी योग्यता दिखाने का।–अभिषेक गौतम मैं 2017 बैच का डीएलएड का विद्यार्थी हूं। शिक्षक भर्ती नहीं आने के कारण मैं बहुत परेशान हूं। सरकार से हमारा निवेदन है कि जल्द से जल्द शिक्षक भर्ती निकालने की कृपा करें।–अजय कुमार चौरसिया जब से हमारा कोर्स पूरा हुआ तब से शिक्षक भर्ती नहीं आई है। सरकार से निवेदन है कि हमारी पीड़ा को समझे और जल्द से जल्द शिक्षक भर्ती जारी करें। प्राथमिक शिक्षक भर्ती बहुत दिनों से नहीं आई है।–सतीश प्रजापति मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि शिक्षक भर्ती के लिए युवाओं को सात वर्षों से आश्वासन दिया जा रहा है पर अब तक भर्ती आई नहीं आई है। गरीब–किसान के बच्चों की मांग को जल्द से जल्द पूरा किया जाए।–मारूफ मैं गाजीपुर का रहने वाला हूं। शिक्षक भर्ती के लिए शिक्षा सेवा चयन आयोग पर चल रहे धरने का हम समर्थन करते हैं। जब तक विज्ञापन जारी नहीं हो जाता हम लोग इस धरना को जारी रखेंगे।–विनय कुमार मैं पिछले सात सालों से प्रयागराज में शिक्षक भर्ती की तैयारी कर रहा हूं लेकिन 2018 के बाद से कोई शिक्षक भर्ती नहीं आई है। सरकार शिक्षा के निजीकरण की रणनीति बनाने की तैयारी में है।–राहुल पांडेय मैं औरैया का रहने वाला डीएलएड छात्र हूं। जब तक शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जारी नहीं हो जाता, हम लोग इस धरने से नहीं हटेंगे। सरकार सो रही है छात्रों के हित में कोई फैसला नहीं हो रहा है।–सनीस सिंह तोमर

अफसर श्वेता मिश्रा के यहां रेड में लाखों का कैश मिला, पटना समेत कई शहरों में फ्लैट और जमीन

प्रयागराज। बिहार प्रशासनिक सेवा (2011 बैच) की अधिकारी श्वेता मिश्रा के कटिहार, पटना और प्रयागराज (उत्तरप्रदेश) स्थित चार अलग–अलग ठिकानों पर विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) की विशेष टीम ने गुरुवार को छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान उनके ठिकानों से 6.51 लाख रुपये नकद, 16 लाख रुपये के जेवरात, 20 लाख रुपये से अधिक बैंक एवं एफडी में निवेश, पटना समेत कई शहरों में जमीन की खरीद के कई दस्तावेज बरामद किए गए।

वर्तमान में कटिहार की लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्वेता मिश्रा पर आरा में डीसीएलआर रहते भी भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे थे। एसवीयू के अनुसार श्वेता मिश्रा ने अपनी सेवा अवधि के दौरान नाजायज तरीके से अकूत चल–अचल संपत्ति अर्जित की है। जिससे पता चलता है कि अभियुक्त एक भ्रष्ट पदाधिकारी है।

गुरुवार की सुबह एसवीयू की अलग–अलग टीमों ने एक साथ श्वेता मिश्रा के ठिकानों पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान श्वेता मिश्रा का पटना

के शेखपुरा स्थित एजी कॉलोनी के आराध्या मेंशन में फ्लैट संख्या –202 मिला। वहीं, एक आलीशान मकान प्रयागराज सदर तहसील में मिला। इसमें अंदरूनी साज–सज्जा पर करीब 30 लाख से 35 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।

श्वेता मिश्रा का गाजियाबाद के नूरसराय में एक फ्लैट और उनके नाम से गाजियाबाद के एनएच–58 के राजनगर एक्सटेंशन के ग्राउंड फ्लोर पर शॉपिंग स्पेश (नंबर – जी–14 ' गौरस हाई स्ट्रीट') भी पाया गया। छापेमारी के दौरान 1.40 लाख रुपये के जेवरात के रसीद भी मिले हैं। वहीं, बरामद जमीन के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। एसवीयू के अनुसार छापेमारी के पूर्व श्वेता मिश्रा पर कुल 80 लाख 11 हजार 659 रुपये गैरकानूनी तरीके से संपत्ति अर्जित करने के आरोप में भ्रष्टाचार निरोधक कानूनों एवं भारतीय न्याय संहिता की विभिन्ना धाराओं पर प्राथमिकी दर्ज की गई। आरोपी श्वेता मिश्रा पर ज्ञात स्रोतों के अनुसार प्राथमिकी में दर्ज आरोपों के आधार पर करीब 84.34 प्रतिशत से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला बनता है। किंतु, छापेमारी के बाद पाया गया कि प्राथमिकी में दर्ज आरोपों के अलावा भी करीब 60 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति है।

विवादों में रही हैं श्वेता मिश्रा

बिप्रसे पदाधिकारी श्वेता मिश्रा बिहार के विभिन्न जिलों में तैनात रही हैं और विवादों के बीच हमेशा ही घिरी रही हैं। इसके पूर्व वे डेहरी (रोहतास), बाल अधिकार संरक्षण आयोग, पटना, आरा (भोजपुर), में भी विभिन्न पदों पर तैनात रही हैं। आरा में भूमि सुधार उपसमाहर्ता के पद पर तैनाती के दौरान भी उन पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे थे। उनके खिलाफ एक अन्य मामले में बिहार राज्य महिला आयोग में भी शिकायत की गई थी।

फतेहपुर के युवक ने प्रयागराज के होटल में सुसाइड नोट लिख की आत्महत्या

प्रयागराज। सूरजकुंड स्थित लक्ष्मी होटल में गुरुवार को एक युवक ने सल्फाश का सेवन कर आत्महत्या कर ली। पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें नाम, पता व मोबाइल नंबर के अलावा उसके परिवार वालों को परेशान नहीं करने की पुलिस प्रशासन से अपील की गई है। हालांकि आत्महत्या की वजह नहीं लिखा है। मृतक की पहचान फतेहपुर जिले के रामकुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना दी है। पुलिस के अनुसार फतेहपुर जिले के ऐराया ब्लाक गौराहार आकिलपुर निवासी 23 वर्षीय प्रेम कुमार पुत्र रामभवन ने बुधवार को कोतवाली थाना क्षेत्र के सूरजकुंड स्थित लक्ष्मी होटल में कमरा नंबर 227 बुक किया था। होटल मैनेजर विजय कुमार गुप्ता ने गुरुवार की शाम लगभग चार बजे पुलिस को सूचना दी कि दरवाजा खटखटाने पर अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़ा, तो अंदर प्रेमकुमार मृत पड़ा मिला। कमरे में दवाइयां और हाथ में ड्रिप लगी हुई थी। मौके पर फारेंसिक टीम ने भी पहुंचकर जांच पड़ताल की। शव के पास से एक सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट पर लिखे नंबर पर फोन कर पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी। कोतवाली थाना प्रभारी दीनदयाल सिंह का कहना है कि प्रथम दृष्टया सल्फास खाने की वजह से मौत की आशंका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर युवक की मौत का कारण स्पष्ट होगा परिजनों को सूचित कर दिया गया है। उसके पास से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें मोबाइल नंबर, एवं पता भी लिखा है। लेकिन, आत्महत्या की वजह नहीं लिखा है। परिजनों के आने पर मामले की जांच की जाएगी।

ईएनटी में डॉक्टर अनुपस्थित, गैस्ट्रो और हड्डी के डॉक्टर अवकाश पर

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में ओपीडी, दवा वितरण काउंटर और मरीजों व उनके तीमारदारों को दी जाने वाली सुविधाओं का निरीक्षण करने के लिए एसीएम द्वितीय प्रेम नारायण पहुंचे। निरीक्षण में ईएनटी की ओपीडी में रोस्टर के हिसाब से डॉ. आनंद प्रकाश को होना चाहिए थे लेकिन वह अनुपस्थित थे और उनकी जगह पर डॉ. राम सिया सिंह मिले। गैस्ट्रोएन्ट्रोलॉजी की ओपीडी में एसीएम के पहुंचने पर बताया गया कि डॉ. एसपी मिश्र अवकाश पर हैं। इसी तरह हड्डी रोग विभाग में भी डॉ. सचिन यादव के अवकाश पर जाने पर उनके स्थान पर डॉ. ए. हसमत मरीजों को देखते हुए मिले। जबकि अन्य विभागों में रोस्टर के अनुसार डॉक्टर उपस्थित पाए गए। एसीएम द्वितीय को ट्रामा सेंटर में इएमओ डॉ. प्रभात और ट्राम इमरजेंसी में डॉ. दुर्गा यादव सहित सभी सीनियर व जूनियर रेजीडेंट मौजूद मिले। ट्रामा इमरजेंसी वार्ड एक में भर्ती मरीजों से दवाई की सुविधा के बारे में पूछा गया तो सभी ने कहा कि अस्पताल से ही दवाई मिलती है और डॉक्टर राउंड पर आते है। मरीज इलाज से संतुष्ट दिखाई दिए। मरीज सान्या अंजुम के तीमारदार जीशान अहमद ने एसीएम को पर्चा व दवाई दिखाते हुए शिकायत की कि दवा वितरण काउंटर से सात दिन की बजाए पांच दिन की दवा दी गई है। इस पर फार्मासिस्ट व उनके सहयोगी राघवेंद्र सिंह से जवाब तलब किया गया तो वे संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इस पर जीशान को मेडिकल पर्ची के अनुसार सात दिनों की दवाई दिलाई गई। निरीक्षण के दौरान अस्पताल के प्रवेश द्वार के बाहर बड़ी संख्या में प्राइवेट वाहन खड़े दिखाई दिए। सड़कों व फर्श की स्थिति पूर्ववत खराब मिली, जिसको लेकर कोई कार्य नहीं शुरू कराया गया। अस्पताल परिसर में पानी की करीब 30 टोंटी गायब थी, जिस पर यूपीपीसीएल द्वारा टोंटी लगवाई गई।

नए महाविद्यालयों में 376 प्रवक्ता की तैनाती के आदेश जारी

प्रयागराज। मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत एक जुलाई से शुरू होने जा रहे 69 राजकीय महाविद्यालयों में 376 प्रवक्ता की तैनाती के आदेश जारी हो गए हैं। राज्यपाल ने शासकीय और जनहित में इन प्रवक्ताओं की तैनाती की है। इसके अलावा क्षेत्रीय उच्च शिक्षा

अधिकारी लखनऊ डॉ. सुधीर चौहान को राजकीय महाविद्यालय, पिहानी हरदोई का प्राचार्य बनाया गया है। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर डॉ. अश्वनी मिश्रा को क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी लखनऊ जबकि राजकीय महाविद्यालय इन्दुपुर गौरीबाजार देवरिया के प्राचार्य डॉ. उदयभान को क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी गोरखपुर की जिम्मेदारी दी गई है। राजकीय महाविद्यालय, कुरसंडा हाथरस के डॉ. शशि कपूर को उच्च शिक्षा निदेशालय प्रयागराज में संयुक्त निदेशक के पद पर भेजा गया है। दूसरे जिलों के नौ प्रवक्ताओं को प्रयागराज में तैनाती दी गई है। राजकीय महिला महाविद्यालय फतेहपुर के डॉ. श्यामजी सोनकर, राजकीय महाविद्यालय रानीगंज प्रतापगढ़ की डॉ. शालिनी कुशवाहा और राजकीय महाविद्यालय मानिकपुर चित्रकूट के डॉ. विजय प्रकाश यादव को राजकीय महिला महाविद्यालय सिकन्दरा फूलपुर भेजा गया है। राजकीय महाविद्यालय फतेहाबाद आगरा के ब्रिजेन्द्र कुमार, राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय माधवपुरम मेरठ के डॉ. सुरेश कुमार पटेल, राजकीय महाविद्यालय पलहीपट्टी वाराणसी के डॉ. राजेश कुमार विश्वकर्मा, राजकीय महाविद्यालय अम्बारी, आजमगढ़ के डॉ. अनिल कुमार सिंह यादव, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर भदोही के मो. अजहरुद्दीन अंसारी और राजकीय महाविद्यालय बहुआ देहात फतेहपुर के विशाल कुमार गुप्ता को राजकीय महाविद्यालय मेजा भेजा गया है। राजकीय महाविद्यालय सैदाबाद की डॉ. सीमा जैन को राजकीय महाविद्यालय मेजा स्थानान्तरित किया गया है।

तीर्थ नगरी में चला स्वच्छता अभियान, की साफ सफाई

मोरना। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ मे आयोजित ज्येष्ठ दशहरा गंगा स्नान मेले के बाद फैली गंदगी को हटाने के लिए वृहद स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। मुख्य मार्गो सहित गंगा घाट पर फैली गंदगी को हटाकर साफ सफाई की गयी। पौराणिक धर्म

नगरी शुकतीर्थ मे ज्येष्ठ गंगा स्नान के बाद गंदगी को हटाना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनी रहती है। गुरुवार को मेले के सकुशल सम्पन्न हो जाने के बाद शुक्रवार को तीर्थ नगरी मे स्वच्छता अभियान चलाया गया। मेले के बाद श्रद्धालुओं द्वारा छोड़ी गयी गंदगी को हटाया गया। गंगा घाट को स्वच्छ व सुन्दर बनाने के लिए वहां फैली गंदगी को हटाकर गंगा की पानी से धुलाई गयी।तथा मुख्य मार्गो पर फैली गंदगी को हटाया गया। अम्बेडकर चौक, स्वामी कल्याणदेव चौक, हनुमंतधाम मार्ग आदि स्थानों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर साफ सफाई की गयी।

भयहरण नाथ धाम में भव्य हुआ गंगा दशहरा
शिव गंगा तालाब पर हुआ श्रमदान
२१सौ दियों संग हुआ दीप यज्ञ
पौध रोपण कर अभियान की हुई शुरुवात

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में विश्व पर्यावरण दिवस व गंगा दशहरा के पर्व पर जन सहयोग व लोक भागीदारी से विविध आयोजन हुए। सर्व प्रथम शिव गंगा तालाब की सफाई नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह तथा धाम की प्रबन्ध समिति द्वारा संयुक्त रूप से किया गया जिसमे सैकड़ो लोगो ने प्रतिभाग किया। वहीं सभी की भागीदारी से २१ सौ दियो का दीप यज्ञ किया गया। भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर व नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार

मुन्ना यादव के मार्गदर्शन में कार्यकर्ता व स्वच्छता ग्रही श्रमदान कार्य में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। सभी का उत्साह देखते बन रहा था। व्यापार मंडल के अध्यक्ष डॉ अमर बहादुर व विवेकानंद राज्य पुरस्कार विजेता सुंदरम तिवारी ने भी सभी आयोजनों में बढ़चढ़ कर प्रतिभाग किया और सभी का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर सामूहिक रूप से देवाधिदेव महादेव व बकुलाही मैया की विधिवत पूजन अर्चन हुआ। मेला समिति के संयोजक शत्रुघ्न सिंह ने प्रकृति महायज्ञ का प्रबन्ध किया। कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र ने सभी कार्यो में सहयोग किया। संरक्षक विवेक सिंह और सचिव मीडिया डॉ पी एन मिश्र के संयोजन में इक्कीस सौ दियो का भव्य दीप यज्ञ का आयोजन हुआ। जिसमे बड़ी संख्या में भक्त व कार्यकर्ता शामिल रहे। कृष्ण जागृति समिति द्वारा ठन्डे जल व शरबत बितरण का कार्य किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पुजारी भोला नाथ तिवारी, सह कोषाध्यक्ष कमलेश वैश्य, राज कुमार अग्रहरि, सतीश द्विवेदी नट बोल्ट बाबा, बिच्छू महाराज, अमर चंद्र पुष्पाकर आदि ने अपनी भूमिका निभाई।

लघु नाटक धरती की पुकार की शानदार प्रस्तुति और नाटक पानी पानी कितना पानी की पूर्वाभ्यास संपन्न

प्रयागराज। पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर सर्वस्व लोक कल्याण स्वैच्छिक संस्था प्रयागराज द्वारा ब्ल्यू बेल स्कूल करेली प्रयागराज में पर्यावरण के महत्व को जन जन तक बख़ूबी पहुंचाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर रंगकर्मी तेजेंद्र सिंह द्वारा निर्देशित लघु नाटक धरती की पुकार की सराहनीय प्रस्तुति की गई इस नाटक में कार्तिकेय सिंह, श्रेयश,

आराध्या, अभिनव, पूर्वशी, पूर्वी, पीयूष, प्रिंस, देवांश, अंश, आर्य प्रताप, अभिराज,अनामिका, माही और कार्तिकेय कुशवाहा ने अभिनय किया। नाटक धरती की पुकार के माध्यम से निर्देशक तेजेंद्र सिंह तेजू ने प्राकृतिक पर्यावरण की संवर्धन एवं सुरक्षा को उत्तम उकेरा। कार्यक्रम का संचालन कौशिक भट्टाचार्य ने किया। ब्लू बेल स्कूल में चल रहे बीस दिवसीय नाट्य कार्यशाला में प्रसिद्ध नाट्य लेखक डॉ हेमंत कुमार रचित नाटक पानी पानी कितना पानी का पूर्वाभ्यास भी संपन्न हुआ जिसका मंचन कार्यशाला के अतिम दिवस नौ जून के समारोह में होगा।

प्रयागराज के सुविख्यात् कवि–कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा मा० सदस्य राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों में शिक्षा के साथ–साथ उनका मानसिक विकास एवं व्यक्तित्व विकास भी होता है। अंत में संस्था सचिव तेजेंद्र सिंह ने जनमानस को प्रकृति और पर्यावरण के प्रति सजग रहने की अपील की तथा उपस्थित अभिभावकों और दर्शकों को धन्यवाद व्यक्त किया।

सर्वसमाज की बूथ स्तर तक मजबूत टीम की सपा की तैयारी: परवेज़ अली

मीरापुर विधानसभा के सपा बूथ सम्मेलन को जिलाध्यक्ष ज़िया चौधरी पूर्व सांसद कादिर राणा सहित अन्य नेताओं ने भी किया संबोधित

मीरापुर/मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर चलाए जा रहे विधानसभा समीक्षा अभियान के अंतर्गत मीरापुर विधानसभा क्षेत्र का बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन ककरोली स्थित बैंकट हॉल में जिला अध्यक्ष जिया चौधरी एडवोकेट की अध्यक्षता व मीरापुर विधानसभा अध्यक्ष सादिक चौहान के संचालन में संपन्न हुआ।

बूथ सम्मेलन की समीक्षा के बाद संबोधित करते हुए पूर्व एमएलसी व विधानसभा प्रभारी परवेज अली ने कहा कि सर्व समाज को सम्मिलित करके मजबूत बूथ कमेटी जल्द से जल्द तैयार करना ही समाजवादी पार्टी का लक्ष्य है तथा इस लक्ष्य के साथ ही विधानसभा चुनाव 2027 समाजवादी पार्टी बहुमत से जीतेगी।

जिला अध्यक्ष ज़िया चौधरी एडवोकेट ने संबोधन में कहा कि केवल सक्रिय कार्यकर्ताओं को ही महत्वपूर्ण जॉन, सेक्टर, बूथ अध्यक्ष की जिम्मेदारी पीडीए समाज को सम्मिलित करके दी जा रही है। अनुशासन के साथ समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं को जनता से संवाद रखना होगा।

वरिष्ठ सपा नेता पूर्व सांसद कादिर राणा ने अपने संबोधन में कहा कि पार्टी के लिए मेहनत करने वाले हर कार्यकर्ता का सम्मान सर्वोपरि है।निष्ठा मेहनत से क्षेत्र में जिम्मेदारी संभालने वाले कार्यकर्ताओं को हर हाल में सम्मान दिलाया जाएगा।

समाजवादी पार्टी बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन को समाजवादी पार्टी प्रदेश सचिव चौधरी इलम सिंह गुर्जर वरिष्ठ सपा नेता सैयद अली अब्बास काजमी ब्लॉक अध्यक्ष मोरना कृष्णपाल सिंह पाल सपा नेता चौधरी अजय कुमार सपा नेता शाह राजा नकवी प्रधान महेंद्र सैनी प्रधान, हाजी गुफरान तेवड़ा जिला पंचायत सदस्य हाजी मोहम्मद मूसा, इमरान खान एडवोकेट, राजू यादव, डॉ अलीशेर अंसारी,काजी अफजल,

सपा नेता अज़ीम जैदी, मोरना प्रधान सर्वेंद्र राठी, रजनीश यादव,नगर अध्यक्ष मीरापुर ऐश मोहम्मद मेवाती, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र ठाकुर, सरदार प्रेम सिंह, रविकांत त्यागी डॉ नबी सीकरी,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शाहिद रूडकली, डॉक्टर इकबाल,राशिद मलिक, डॉ शहमत अली,पप्पू ठाकुर, इमलाक प्रधान, शमीम अब्बासी,जुबेर अंसारी, मेहरबान अली, तनवीर आलम, मौ अब्दुल सहित सभी बूथ अध्यक्ष मौजूद रहेआदि मौजूद रहे।

निर्जला एकादशी पर मीठे शरबत का वितरण संस्कृति से जुड़ाव: प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी

मुजफ्फरनगर। वीर क्लीनिक पचेंडा रोड पर निर्जला एकादशी के अवसर पर डॉ मेघा, डॉ भारतवीर प्रजापति के सौजन्य से आने जाने वाले रहागीरों को मीठे शरबत का वितरण किया गया इस अवसर पर अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष प्रसिद्ध समाजसेवी मनीष चौधरी ने कहा कि पर्व और त्यौहारों का आगमन हम सभी को सदभाव और सामाजिक एकता का संदेश देते हैं। गंगा दहशरा पर्व इसकी अनूठी मिसाल है, जब सभी एक समान एक भक्त के रूप में स्नान के लिए पतित पावनी नदियों में उतरते हैं। इसके बाद आज निर्जला एकादशी का पर्व भी पूर्ण आस्था के साथ मनाया जा रहा है और जगह जगह मीठे शरबत की छबील लगाई जा रही है, यह भी सनातन संस्कृति के मानव सेवा पक्ष को उजागर करता है मनीष चौधरी ने बताया कि शुक्रवार को निर्जला एकादशी पर वीर क्लीनिक गांधी कॉलोनी पचेण्डा रोड पर मीठे शरबत का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि गंगा दशहरा का पर्व धार्मिक परम्परा के साथ ही सामाजिक एकता और आस्था को प्रदर्शित करता है। शुक्रवार को निर्जला एकादशी का पर्व मनाया जा रहा है। इस पर्व पर शीतल और मीठे शरबत की छबील लगातार मानव सेवा के लिए सभी को प्रेरित किया जाता है। इनके आयोजन से युवा पीढ़ियों को भी अपनी संस्कृति

और सभ्यता से जुड़ने के लिए प्रेरणा मिलती है। विशिष्ट अतिथि मोहन प्रजापति राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय अति पिछड़ा वर्ग, राजीव मोहन गोयल राष्ट्रीय अध्यक्ष जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया, डा धर्मेंद्र सिंह जिला अध्यक्ष जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया,विजय प्रजापति भाजपा जिला सहकारिता प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष , मुकुल उपाध्याय भाजपा सरवट मंडल जिला मीडिया प्रभारी , इंद्रपाल फौजी प्रजापति वरिष्ठ भाजपा नेता, कथा व्यास अतुलेश मिश्रा, (शिवम पाल)वार्ड सभासद पूजा पाल आदि प्रियंका सैनी प्रमुखा समाजसेवीका मनीष चौधरी ने बताया, निर्जला एकादशी से जुड़ा एक प्रसंग यह भी है कि इस पर शीलत जल वितरण से वर्षा का आगमन होता है और इससे सनातन संस्कृति और आस्था भी जुड़ी है। बारिश का किसान भाईयों को इस मौसम में इंतजार रहता है। हम उनके धन धान्य होने की कामना भी ईश्वर से कर रहे हैं। मातृशक्ति

प्रियंका सैनी ने इस अवसर पर बताया कि निर्जला एकादशी का व्रत सनातन संस्कृति में सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। हम यहां मीठे शरबत की छबील के लगाकर सभी को यही संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं, अपने बच्चों को धर्म और संस्कृति से जोड़े ताकि युवा पीढ़ी अपनी धार्मिक सभ्यता को पहचाने और उसका संरक्षण करें। इस दौरान सैंकड़ों लोगों को मीठे शरबत का वितरण कर पुण्य लाभ कमाया गया। इस आयोजन का सफल बनाने में देवेंद्र पाल,गौरव कांत अग्रवाल, शक्ति प्रकाश, शरद शर्मा, नीरज कुमार ध्रूव प्रजापति, अर्णव प्रजापति,कृष्णा, विशाखा, मनीषा,सपना, बुशरा सहित अन्य लोग एवं समस्त स्टाफ का सहयोग रहा।

मां के बगल से उठाकर मेट्रो लिफ्ट के पास रेप किया, 24 घंटे में आरोपी एनकाउंटर में ढेर

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में ढाई साल की बच्ची से दरिंदगी के आरोपी को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। शुक्रवार तड़के देवी खेड़ा इलाके में गन्ना संस्थान के पास पुलिस ने आरोपी दीपक वर्मा (24) को घेर लिया। पुलिस को देखते ही उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके सीने में 2 गोली लगी। आलमबाग थाना पुलिस उसे नजदीकी अस्पताल ले गई। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कल यानी 5 जून की रात आरोपी आलमबाग मेट्रो स्टेशन के नीचे मां–बाप के साथ सो रही बच्ची का मुंह दबाकर उठा ले गया था। रात करीब ढाई बजे मेट्रो स्टेशन की लिफ्ट के पास ले जाकर मासूम के साथ दरिंदगी की। बच्ची जब बेहोश हो गई तो उसे मरा समझकर वहां छोड़कर

भाग गया। वारदात से जुड़ा सीसीटीवी भी एनकाउंटर के बाद सामने आया। इसमें आरोपी बच्ची को गोद में उठाकर लाता हुआ दिख रहा है। इसके बाद लिफ्ट के पास बच्ची के साथ दरिंदगी की। आरोपी ने इस कदर हैवानियत की थी कि बच्ची का प्राइवेट पार्ट डैमेज हो गया। केजीएमयू के डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची की हालत नाजुक है। आज उसकी सर्जरी होगी। पुलिस ने आरोपी पर गुरुवार को ही एक लाख का इनाम घोषित कर दिया था। वारदात के 24 घंटे के अंदर उसे ढेर कर दिया। आरोपी दीपक पुत्र राधेश्याम वर्मा डूडा कॉलोनी, ऐशबाग का रहने वाला था। वह ट्रेनों में अवैध तरीके से पानी बेचने और जागरण में झांकी सजाने का काम करता था। वारदात से जुड़ा 3.55 सेकेंड का वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा कि आरोपी दीपक आलमबाग मेट्रो स्टेशन के नीचे पहुंचता है। फिर लिफ्ट के पास जाता है। एक लिफ्ट का बटन दबाता है। इसके बाद वह सड़क पार करके बच्ची को उठाने जाता है। बच्ची को गोद में उठाकर दौड़कर आता है। उसे एक लिफ्ट के पास रख देता है। फिर वहीं दरिंदगी करता है। इसके बाद वहां भाग जाता है। पुलिस का कहना है कि वीडियो देखकर यह लग रहा है कि उसने पहले से ही बच्ची को टारगेट कर रखा था। आरोपी दीपक ने बच्ची के साथ जहां दरिंदगी की, उससे 5 किमी दूर देवीखेड़ा में वीआईपी रोड पर गन्ना संस्थान के पास वह मारा गया। डीसीपी सेंट्रल आशीष श्रीवास्तव ने बताया मेट्रो स्टेशन पर लगे सीसीटीवी की जांच की गई तो रात 3 से 3.30 के बीच एक युवक सफेद हांडा एक्टिवा से नजर आया।

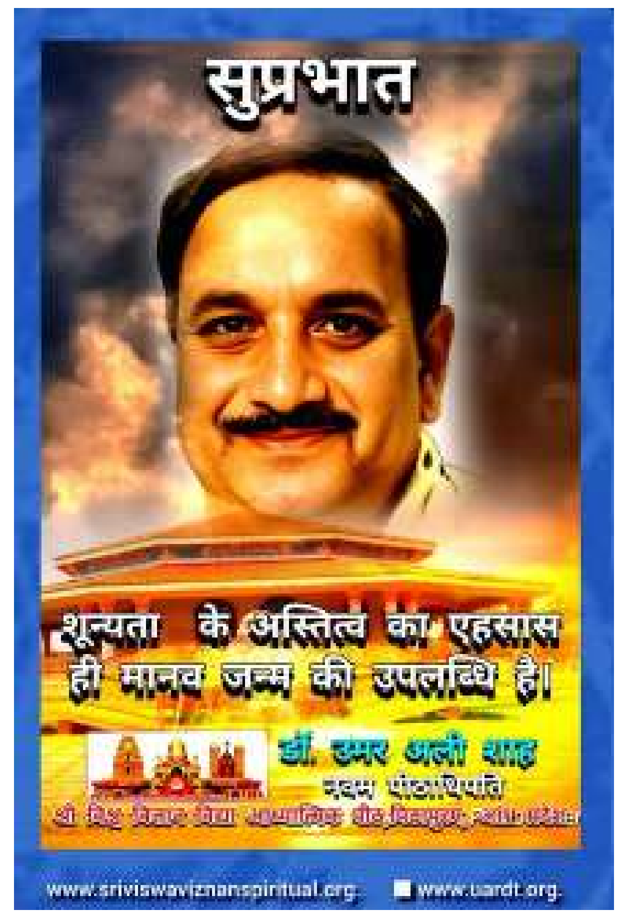

मधुर सुगंधित आम
(कुण्डलिया)

पकने पर दिखता हरा, मधुर सुगन्धित आम।
फल का राजा है मगर, लँगड़ा इसका नाम।
लँगड़ा इसका नाम, कहानी बहुत पुरानी।
काशी की उत्पत्ति, बताती थी माँ –नानी।
सुन लो कहें प्रदीप, बनारस में रहने पर।
खाना इसे जरूर, जरा सा बस पकने पर।।

कमतर मत समझो कभी,गुण की हैं यह खान।
देशी आमों की अलग, जग में है पहचान।
जग में है पहचान, सुगंधित स्वादो वाला।
निर्धन और अमीर, साथ में खाते लाला।
सुन लो कहें प्रदीप,बाग में बच्चे झककर।
खाकर टपका आम,कहें मत समझो कमतर।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

ग़ज़ल

झूट का अब गर्म है बाज़ार आख़िर क्या करें।
सच का सिक्का हो गया बेकार आख़िर क्या करें।।

कह रहा है चींख़ कर सरहद बुलाती है ष्कमालष
खून में डूबा हुवा अख़बार आख़िर क्या करें।।

दुश्मनो से लड़ने मरने का बहुत है हौसला।
सामना अपनों से हो हरबार आख़िर क्या करें।।

हमने तारीख़े वफ़ा लिक्खी है अपने ख़ून से।
फिर भी कहलाए हमी ग़द्दार आख़िर क्या करें।।

मुश्किलों का हल हमारी ढूंड ना है हमको ही।
है पयम्बर ना कोई अवतार आख़िर क्या करें।।

मन्दिरों की घण्टियाँ रो रो के ये कहने लगीं।
ज़ालिमों ने ढा दिए मीनार आख़िर क्या करें।।

हम हैं भारत के सिपाही छेड़े गा दुश्मन अगर।
फिर उठाएं ना अगर तलवार आख़िर क्या करें।।

कह रहा है चींख़ कर सरहद बुलाती है 'कमाल'
खून में डूबा हुवा अख़बार आख़िर क्या करें।।

सय्यद मन्सूर अली कमाल चन्दन पूरी
पश्चिम निमाड़ खरगोन
(मध्य प्रदेश)

मिट्स हेल्थकेयर के संस्थापक एम.के. भाटिया ने कालाअम्ब में फार्मा मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर्स से की अहम बैठकें

गुणवत्ता, सप्लाई चेन और भविष्य की रणनीतियों को लेकर हुई व्यापक चर्चा

कालाअम्ब /पंचकुलास हेल्थकेयर सेक्टर में उल्लेखनीय पहचान बना चुकी मिट्स हेल्थकेयर के संस्थापक और निदेशक श्री एम.के. भाटिया ने अपनी पर्चेस टीम के साथ कालाअम्ब स्थित अपने प्रमुख फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर्स से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने निर्माण इकाइयों का दौरा किया और सप्लायर प्रतिनिधियों के साथ बैठकों में हिस्सा लिया।

बैठकों में मुख्य रूप से उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, सप्लाई चेन को और अधिक सशक्त बनाने तथा भविष्य की साझेदार रणनीतियों पर विशेष चर्चा हुई। श्री भाटिया ने गुणवत्ता मानकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात दोहराई और आपसी सहयोग से ग्राहक–केंद्रित नवाचारों को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा, "मिट्स हेल्थकेयर की सफलता का आधार हमारी मजबूत सप्लाई चेन और गुणवत्ता के प्रति हमारी अडिग प्रतिबद्धता है। हमारे निर्माण साझेदार हमारे विस्तार का अभिन्न हिस्सा हैं, और यह संवाद भविष्य में हमारी संयुक्त सफलता की नींव रखता है।"

इस दौरे को इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स द्वारा अत्यंत सकारात्मक और दूरदर्शी कदम माना जा रहा है, जो मिट्स हेल्थकेयर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा।

सम्पादकीय.......

जश्न और हादसा

तुरत–फुरत क्रिकेट वाले दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चौलेंजर्स बंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली को टीम ने खास तोहफा ही दिया। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक तब फीकी पड़ गई जब चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में ग्यारह लोगों की दुखद मुत्यु हो गई। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास दो लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मीडिया को जानकारी दी कि घटना में ग्यारह लोगों की मौत हुई है और 33 लोग घायल हो गए हैं। बहरहाल, आईपीएल का आयोजन व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततरू विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। कोहली, पिछले टी–20 विश्व कप और कुछ महीने पहले वनडे चौंपियंस ट्राफी जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। वे प्रारंभ से ही आईपीएल का खिताब जीतने के लिये दृ ढ़ संकल्पित दिखे। इसका समापन भी उन्होंने खास अंदाज में किया। क्रिकेट प्रेमियों ने बखूबी देखा कि उनके खेल में वह चमक बरकरार है जो डेढ़ दशक पहले क्रिकेट मैदान में उतरने पर खेल प्रेमियों को चकित किया करती थी। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। घ्वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। हालांकि, वे क्रिकेट के टेस्ट क्रिकेट छोड़कर अन्य प्रारूपों में अपना शानदार खेल दिखाते रहेंगे। वहीं दूसरी ओर एमएस ध ोनी को आईपीएल में पांच बार की कामयाबी के बावजूद इस बार खिताबी जीत न दिला पाने का मलाल जरूर रहेगा। यह हकीकत है कि चेन्नई सुपर किंग्स की टीम धोनी के अनुभव का लाभ उठाने से चूक गई। वैसे इस बार के आईपीएल टूर्नामेंट में श्रेयस अय्यर ने शानदार प्रदर्शन के जरिये किसी भी फ्रेंचाइजी के लिये जाने–माने कप्तान के रूप में अपनी स्थिति मजबूत ही की है। बीते साल कोलकाता नाइट राइडर्स को जीत दिलाने के बाद उन्होंने पंजाब किंग्स का नेतृत्व संभाला। उनके नेतृत्व में पंजाब किंग्स ने पिछले एक दशक के बाद प्रभावशाली प्रदर्शन के जरिये फाइनल में जगह मजबूत की। वह बात अलग है कि फाइनल में श्रेयस की प्रतिभा को श्रेय न मिल सका। हालांकि, बाकी मैचों में उन्होंने टीम को प्रभावशाली नेतृत्व जरूर दिया। भारत के नये टेस्ट क्रिकेट कप्तान शुभमन गिल ने टूर्नामेंट के अंत में लड़खड़ाने से पहले गुजरात टाइटन्स का अच्छा नेतृत्व दिया। हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस को तब तक मुकाबले में बनाए रखा जब तक कि वह साहसी पंजाब की टीम द्वारा बाहर नहीं हो गई। निस्संदेह, इस आईपीएल टूर्नामेंट में युवा ब्रिगेड ने पूरी ताकत झोंककर उम्मीदों को नया मुकाम दिलाया। अब चाहे वह अभिषेक शर्मा हों, प्रियांश आर्य, आयुष म्हात्रे, साई सुदर्शन, शशांक सिंह या ऑल–ऑफ–14 वैभव सूर्यवंशी हों। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन पर भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष की छाया भी पड़ी। लेकिन थोड़े व्यवधान के बावजूद खेल जारी रहा। सीमा पर तनाव के बीच भारत व पाकिस्तान की क्रिकेट लीग चलती रही है, लेकिन लोकप्रियता की बाजी भारत ने मारी। बंगलुरु हादसे की दुखद घटना के बावजूद आईपीएल अपने मुकाम तक पहुंचने में किसी हद तक कामयाब रहा है। निश्चय ही आईपीएल एक ऐसा मंच बन गया है कि जिसमें आम घरों के प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी तथा परिवार की आर्थिकी सुध ाारने का मौका मिलता है, वहीं चयनकर्ताओं को राष्ट्रीय टीम हेतु प्रतिभाएं तलाशने का एक उम्दा अवसर भी मिल जाता है।

विदेश नीति में नाकामी के कुछ और उदाहरण

डॉ. दीपक पाचपोर

पाकिस्तान को ये रुपये राजकोषीय स्थिति को बेहतर करने और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंध ान में सुधार के लिए दिए जा रहे हैं। पाकिस्तान में एडीबी की डायरेक्टर एम्मा फैन ने कहा कि पाकिस्तान ने मैक्रोइकोनॉमिक परिस्थितियों में सुधार के मामले में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

प्रधानमंत्री मोदी भारत की विदेश नीति और विदेशों में भारत की साख को बचाने में किस कदर नाकाम हो चुके हैं, इसके कुछ और उदाहरण सामने आए हैं। एशियाई विकास बैंक या एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) ने पाकिस्तान के लिए 668 करोड़ रुपये के पैकेज को मंजूरी दी है। पाकिस्तान को ये रुपये राजकोषीय स्थिति को बेहतर करने और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन में सुधार के लिए दिए जा रहे हैं। पाकिस्तान में एडीबी की डायरेक्टर एम्मा फैन ने कहा कि पाकिस्तान ने मैक्रोइकोनॉमिक परिस्थितियों में सुधार के मामले में महत्वपूर्ण प्रगति की है।एडीबी का यह फैसला तब आया है जब दो दिन पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने एडीबी के अध्यक्ष मसातो कांडा से अपने आधिकारिक निवास पर मुलाकात की थी और इस बारे में सोशल मीडिया पर लिखा था कि– मसातो कांडा के साथ एक शानदार बैठक हुई, जिसमें हमने कई मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। पिछले दशक में भारत के तेजी से हुए परिवर्तन ने अनगिनत लोगों को सशक्त बनाया है और हम इस यात्रा में और गति लाने के लिए काम कर रहे हैं। वहीं मसातो कांडा ने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साहसिक बताते हुए लिखा था कि हम अगले पांच वर्षों में नगर निगम के इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास, मेट्रो नेटवर्क का विस्तार, नए रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर बनाने और शहर की सेवाओं के आधुनिकीकरण में थर्ड पार्टी कैपिटल सहित 10 अरब डॉलर का निवेश करेंगे। दो दिन पहले ऐसी खबरें देख कर भ्रम हो सकता था कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने हमारी बात नहीं सुनी, कम से कम एशियाई विकास बैंक भारत के साथ खड़ा रहेगा और पाकिस्तान को वित्तीय मदद नहीं देगा। लेकिन यहां फिर भारत की कूटनीति बुरी तरह नाकाम दिखी। श्री मोदी से मिलकर भले ही भारत में निवेश की बातें हुई हों, लेकिन इसके फौरन बाद पाकिस्तान को भी बड़ी मदद देकर एडीबी ने बता दिया कि उसका रवैया भी वही है जो पश्चिमी देशों और संस्थाओं का है। पिछले महीने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी एडीबी अध्यक्ष मसातो कांडा से मुलाकात कर अपील की थी कि पाकिस्तान की मदद न की जाए, क्योंकि वह आतंकवाद का पोषण करता है। इसके अलावा भारत कोशिश कर रहा है कि फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स में पाकिस्तान का नाम ग्रे सूची में डलवाया जाए, इसके लिए यूरोपीय देशों को साथ लाने की कोशिश हो रही है। अब इसमें भारत कामयाब होता है या नहीं, ये कहा नहीं जा सकता। लेकिन पहले आईएमएफ और अब एडीबी के फैसलों ने भारत की कोशिश को झटका तो दे ही दिया है। वहीं पाकिस्तान अब अमेरिका, रूस, चीन तमाम बड़ी शक्तियों का करीबी बनने की कोशिश में लगा है। अमेरिका और चीन तो पहले ही भारत के ऊपर पाकिस्तान को तवज्जो दे सकते हैं, अगर रूस में पाकिस्तान अपने लिए जगह बना लेता है, तब भारत की साख पर जो बट्टा लग सकता है, उसका अंदाज सरकार को कर लेना चाहिए। हालांकि मौजूदा रवैया देखकर लगता नहीं कि सरकार को कूटनीति या विदेश नीति की कोई परवाह है। पाठक जानते हैं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार बयान दोहरा रहे हैं कि उन्होंने व्यापार की धमकी देकर युद्ध विराम करवाया है। लेकिन अब तक प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर सीधे कोई खंडन नहीं किया है। अपना पक्ष रखने के लिए जो प्रतिनिधिमंडल 33 देशों की यात्रा पर भेजे गए थे, उनके नतीजे भी कुछ खास नजर नहीं आ रहे। क्योंकि इसमें सरकार की मंशा ही साफ नहीं थी कि आखिर वह प्रतिनिधिमंडलों के जरिए क्या हासिल करना चाहती थी। अगर मकसद विदेशों से समर्थन हासिल करना था, तो फिर इन मंडलों के सदस्यों की मुलाकात हरेक देश में नीति निर्माताओं से होनी चाहिए थी, जहां उन्हें आश्वासन मिलता कि वे पाकिस्तान की जमीन से संचालित आतंकी गतिविधियों का विरोध करेंगे, लेकिन एकाध देश छोड़कर अधिकतर देशों में प्रतिनिधि ामंडल में गए सदस्यों ने कहीं थिंक टैंक के लोगों से मुलाकात की या फिर पूर्व मंत्री, पूर्व राजनयिक, पूर्व अधिकारी के साथ बैठकें कीं। इसमें भी एक वीडियो सामने आया जब एक प्रतिनिधि ामंडल की सदस्या रेखा शर्मा खाने की मेज पर गीत गाते दिखीं और बाकी लोग तालियां बजा रहे थे। इस पर सवाल भी उठे कि एक बड़े आतंकी हमले के बाद वैश्विक समर्थन हासिल करने यह दल गए हैं या जनता के पैसों पर विदेशों में पिकनिक मनाने। इन्हीं रेखा शर्मा ने देश लौटकर एक समाचार चौनल से कहा कि हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि यही थी कि जिन देशों में कांग्रेस कभी पहुंच नहीं पाई और जिन देशों में कांग्रेस का कभी स्वागत नहीं होता था, वो देश अब भारत की लीडरशिप की तरफ नेतृत्व के लिए देख रहे हैं। इस मूर्खतापूर्ण और सिरे से गलत बयान पर हंसा जाए या दुख मनाया जाए कि देश की संसद में ऐसे लोग पहुंच गए हैं, जिन्हें मोदीभक्ति तो खूब आती है, लेकिन राजनैतिक इतिहास का ज्ञान शून्य है। जिस प्रतिनिधिमंडल की सदस्या रेखा शर्मा थीं, वह सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया के दौरे पर गया था। और पूर्व प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह खुद इनमें से सऊदी अरब, कुवैत और बहरीन की यात्रा कर चुके हैं। अब सवाल यह है कि क्या मोदी सरकार ने प्रतिनिधिमंडल इसलिए भेजे थे ताकि वापस लौटकर ये नरेन्द्र मोदी का गुणगान करें और कांग्रेस को कोसें। वैसे वाशिंगटन पोस्ट में एक खबर प्रकाशित हुई है, जिसमें बताया गया है कि मोदी सरकार को प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला इसलिए लेना पड़ा क्योंकि कोई देश भारत के साथ खड़ा नहीं हुआ। ऐसी खबरों से क्या विदेशों में भारत की छवि सुध ारेगी, ये सोचने वाली बात है।

दालमोठ बनाम बिस्कुट, मामला गंभीर है

सर्वमित्रा सुरजन

सोशल मीडिया पर खबर आई है कि उत्तर प्रदेश के गोण्डा में अपर जनपद एवं सत्र न्यायाध ीश ने अपने अर्दली को चाय और बिस्कुट ठीक से न मिलने पर नोटिस थमा दिया। नोटिस में अर्दली राकेश कुमार से स्पष्टीकरण मांगा गया है कि सिविल जज के आने पर चायध बिस्कुट लाने के लिए कहने पर ऐसी दालमोठ क्यों लाई गई, जिससे गंध आ रही थी। इस खबर में कितनी सच्चाई है यह तो पता नहीं लेकिन सोशल मीडिया पर जो नोटिस वायरल हो रहा है, उसमें जज की तरफ से लिखा गया है–आज दिनांक 30 मई को लंच समय में मेरे विश्राम कक्ष में सिविल जज (जू.डि.), एफटीसी नवीन, गोंडा सुश्री शर्मिष्ठा साहू मिलने आई थीं जिस पर मेरे द्वारा आपको चायधबिस्कुट लाने हेतु कहा गया, जबकि आपके द्वारा केवल दो चाय लाई गई। मेरे द्वारा पुनरू बिस्कुट लाने के लिए कहा गया, किंतु आपके द्वारा बिस्कुट न लाकर पुरानी खराब स्थिति में जिसमें से गंदी गंध आ रही थी, दालमोठ रखी गई। आलमारी में दो डिब्बे में अच्छी स्थिति में बिस्कुट रखे हुए थे। बावजूद आपके द्वारा जानबूझकर खराब पुरानी दालमोठ रखी गई, जो कि फेंकने की स्थिति में थी। इस सम्बन्ध में आप अपना स्पष्टीकरण दिनांक 31 मई को समय 10.30 बजे प्रस्तुत करें कि इस प्रकार की जानबूझकर घोर त्रुटि आपके द्वारा क्यों की गई। अगर खबर सच्ची है तब तो मामला संगीन है कि क्या जज को जानबूझकर पुरानी दालमोठ पेश करने का कोई षड्यंत्र रचा गया और अगर खबर काल्पनिक है, तब भी गंभीर चिंता का विषय है कि क्या दालमोठ और बिस्कुट को चर्चा में लाने की यह कोई चाल है। क्योंकि आमतौर पर तो सरकारी बैठकों में चाय के साथ समोसे, ढोकले, कलाकंद आदि परोसे जाते हैं। लेकिन सिविल जज और सत्र न्यायाधीश जब साथ बैठे हों और बात केवल बिस्किट और दालमोठ में निपट जाए, क्या यह नाइंसाफी नहीं है। राहुल गांधी को देखना चाहिए कि नेहरूजी ने कैसा भारत बनाकर छोड़ा है, जहां किसी को रोजाना मखाने खाने मिलते हैं और किसी को पुरानी दालमोठ परोसी जाती है। नेहरूजी के बाद शास्त्रीजी, इंदिराजी, राजीवजी सबने शासन कर लिया, किसी का ध्यान इस विसंगति पर नहीं गया। सब पता नहीं क्या–क्या करते रहे। कोई जय जवान, जय किसान कहता रहा, किसी ने पाकिस्तान के दो हिस्से कर दिए, कोई पंचायतों को मजबूत करने में लगा रहा और साथ में देश में कम्प्यूटर लेकर भी आ गया। ये सब करने से क्या भारत का भला हो गया। आईआईटी, आईआईएम, एम्स न भी बनते तब भी भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए रोजाना शाखाएं कार्यरत थी हीं, वहीं से निकले लोग आज राडार से बचने के नुस्खे हमारे लड़ाकू विमानों को देते हैं। और राहुल गांधी की हिमाकत देखिए, उन्हीं से सवाल करते हैं कि हमारे कितने विमान पाकिस्तान ने गिराए हैं। राहुल गांधी भारतीय परंपरा में पढ़े–लिखे होते तो जानते कि बीती ताहि बिसार दे, आगे की सुधि ले। लेकिन नहीं, वो तो वही अटके हैं कि ट्रंप ने फोन कब किया, क्या कहा और उसके बाद यहां प्रधानमंत्री ने क्या किया। अब जो किया सो किया, लेकिन क्या उससे जो कुछ घटा है, वो बदल जाएगा, नहीं न। तो फिर वही–वही सवाल दोहराने का क्या मतलब। 2004 से राहुल गांधी सांसद चुने जा रहे हैं, कांग्रेस के उपाध्यक्ष बने, अध्यक्ष बने, अब नेता प्रतिपक्ष बन गए, लेकिन राजनीति के तकाजे समझ ही नहीं रहे हैं। ये समय बड़े–बड़े सवालों पर चिंतन करने का है, जिससे देश में सब कुछ कुशलमंगल रहे। कहां अमेरिका, पाकिस्तान, रूस, चीन के सवालों पर उलझे हुए हैं। देखिए मोदीजी को वो इन सबमें नहीं उलझते, मन की बात करते हैं। जिसमें देश के लोगों से जुड़े जरूरी सवाल रहते हैं। जैसे जून के आखिरी में मोदीजी जब मन की बात करेंगे तो शायद गोंडा के दालमोठ प्रकरण पर कुछ उच्चकोटि के विचार देश के सामने रखेंगे। सबसे पहले तो इस बात पर संज्ञान लिया जाएगा कि यह खबर सोशल मीडिया पर आई कैसे। खबर में सच्चाई है तो यह नोटिस किसी सोशल मीडिया यूजर के हाथ कैसे लगा। अगर खबर गलत है तो भी इसके पीछे मंशा क्या है। फिर कुछ जरूरी सवालों पर मोदीजी की राय सामने आएगी, जैसे जज महोदय के आदेश के बावजूद अर्दली ने बिस्किट की जगह पुरानी दालमोठ पेश कर जो नाफरमानी की है, उसके पीछे कारण क्या है। क्या अर्दली ने अपने से ऊंचे ओहदे पर बैठे इंसान को इसके जरिए चुनौती पेश की है। क्या अर्दली अर्बन नक्सल गैंग से प्रेरित है। बस्तर से तो नक्सलियों का सफाया मोदी–शाह की युति कर चुकी है, लेकिन अर्बन नक्सलियों से निपटने के लिए अभी रणनीति तैयार हो रही है, इसके लिए अपने 140 करोड़ भाई–बहनों से मोदीजी सहयोग मांगेगे। अर्दली राकेश कुमार के नाम से यह स्पष्ट नहीं हो रहा है कि वे किस जाति और वर्ग के हैं। इससे मामला और भी पेचीदा हो जाता है। क्योंकि यहां फिर राहुल गांधी गड़बड़ कर चुके हैं। समाज का एक्सरे करने की बात कर पूरे समाज को यह एहसास करा दिया कि कोई गंभीर बीमारी का शिकार समाज हो गया है। जबकि इससे पहले सब आराम से चल रहा था। किसी को उसकी कमजोरी के बारे में खुलकर कहना अशिष्टता होती है, इसलिए शिष्टाचार के नाते समाज में पसरी बीमारी का जिक्र सरकार नहीं करती थी, ताकि किसी को बुरा न लगे। लेकिन राहुल गांधी को तो शिष्टाचार निभाना आता ही नहीं, इसलिए वो खुलकर दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों से कह देते हैं कि आपके हाथ में शक्ति है ही नहीं, जहां से फैसले लिए जाते हैं, नीतियां बनाई जाती हैं, वहां आप हैं ही नहीं। इसलिए वो एक्सरे की बात पूरे देश में करते फिर रहे हैं। जिसके बाद सरकार को जाति जनगणना कराने का ऐलान करना पड़ा। तो देखने वाली बात ये है कि क्या अर्दली राकेश कुमार भी जाति जनगणना का पक्षधर है या उसे वर्ण व्यवस्था के तहत बने खांचों में जीना मंजूर है। क्या बिस्कुट की जगह दालमोठ परोस कर उसने जाति जनगणना का कोई संकेत तो नहीं दिया। बिस्कुट की जगह दालमोठ परोसने के पीछे क्या कोई कारोबारी या अंतरराज्यीय विवाद है, यह भी देखा जाएगा। दालमोठ तो आगरे की ही मशहूर है, लेकिन बिस्कुट कौन सी कंपनी का था, कहां बना था और कहां से खरीदा गया था। दालमोठ को पुरानी पड़ने तक बची क्यों रहने दिया गया। क्यों उसे न खाकर सरकारी धन की बर्बादी की गई। क्या इसमें योगी प्रशासन ने कोई चूक की, यह देखना होगा। इस पूरे प्रकरण में विचारणीय पहलू यह भी है कि जज महोदय ने अलमारी में बिस्कुट के दो पैकेट अच्छी स्थिति में रखे होने का जिक्र किया है, अर्थात वे उच्च कोटि के ईमानदार जज हैं। क्योंकि वे चाहते तो बिस्कुट के दो पैकेट अपनी हिफाजत में अपनी दराज में रख सकते थे। लेकिन उन्होंने सरकारी संपत्ति पर अनायास कब्जा करने की कोई चेष्टा नहीं जताई।यह उन तमाम सांसदों के लिए मिसाल है जो मंत्री या सांसद न रहने पर भी सरकारी बंगले में टिके रहते हैं। गोंडा के अपर सत्र न्यायाध ीश ने उन सरकारी अफसरों के लिए भी मिसाल पेश की है जो तिजोरी भरने के बाद दीवारों में नोट चुनवा कर रखते हैं। इनकी वजह से इनकमटैक्स और ईडी पर काम का अतिरिक्त बोझ बढ़ता है। दालमोठ बनाम बिस्कुट प्रकरण में यह भी विचारणीय है कि जब अर्दली ने केवल चाय की दो प्यालियां पेश कीं और फिर बिस्कुट लाने का आदेश हुआ, लेकिन फिर भी पुरानी दालमोठ पेश की गई, इस सबमें जो वक्त बर्बाद हुआ, उसकी भरपाई कौन करेगा। दालमोठ में एक से ज्यादा नमकीनों का मिश्रण होता है, कुछ–कुछ इंडिया गठबंधन की तरह, कुछ सख्त, कुछ चटपटे, कुछ तीखे तत्व होते हैं। तो क्या अर्दली ने इस बात से प्रेरित होकर दालमोठ परोसी, इसे भी परखना चाहिए।

गाजा और पश्चिमी तट पर कब्जा करने के लिए इजरायल पूरी तरह तैयार

नन्तू बनर्जी

गाजा के हमास उग्रवादियों को एक बड़ी आपदा का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि इजरायल लगभग 20 वर्षों के अंतराल के बाद गाजा पट्टी पर पूर्ण नियंत्रण करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके साथ ही, इजरायल फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम और स्वीडन और यहां तक कि तेल अवीव में अपने ही लोगों के एक वर्ग के विरोध को नजरअंदाज करते हुए पश्चिमी तट के एक बड़े हिस्से (क्षेत्र सी) पर कब्जा करने के लिए कमर कसता हुआ दिखायी दे रहा है। पिछले सप्ताह, इजरायल ने कहा कि वह कब्जे वाले पश्चिमी तट पर 22 अतिरिक्त यहूदी बस्तियाँ स्थापित करेगा। ईरान और ईरान समर्थक हौथियों को छोड़कर अरब दुनिया में हमास के कुछ ही सच्चे समर्थक हैं। 7 अक्तूबर 2023 से इजरायल–हमास युद्ध के दौरान हुई मौतों और विस्थापन के कारण फिलिस्तीनी आबादी में भारी कमी के साथ गाजा जल्द ही इजरायल के विस्तारित क्षेत्र का हिस्सा बन सकता है। वर्तमान गाजा युद्ध अतीत में कई अनसुलझे इजरायली–फिलिस्तीनी संघर्षों के बाद हुआ है, जिनमें 2008, 2009, 2012, 2014 और 2021 के संघर्ष शामिल हैं। विडंबना यह है कि इजरायल ने 2005 में दुनिया की सबसे घनी आबादी वाली बस्तियों में से एक गाजा पट्टी का नियंत्रण छोड़ दिया था। वह गाजा पट्टी से हट गया था और उसने वहां से अपनी सभी बस्तियों को खत्म कर दिया था। इजरायल फिलाडेल्फी मार्ग से भी वापस हो गया था, जो मिस्र के साथ सीमा से सटे भूमि की एक संकरी पट्टी थी, जब मिस्र ने राफा समझौते के तहत अपने क्षेत्र की सीमा को सुरक्षित रखने पर रजामंदी व्यक्त की थी। इजरायल चाहता तो 1967 में छह दिवसीय युद्ध के बाद गाजा को अपने नियंत्रण में ले सकता था। उसने पश्चिमी बैंक और पूर्वी येरूशलम पर भी कब्जा कर लिया था। उस समय गाजा पट्टी 40 किलोमीटर लंबी थी और उसकी आबादी 13लाख थी। गाजा में जन्म दर दुनिया में सबसे अधिक है। हालांकि, वहां बिना किसी तनाव के शासन करने के लिए उचित यहूदी बस्ती के लिए बहुत कम जगह थी। युद्ध के अंत, जो अंतिम चरण में पहुंच गया है, तक मृत्यु और विस्थापन के कारण फिलिस्तीनी आबादी में काफी कमी आने की उम्मीद है। गाजा की लगभग 70 प्रतिशत फिलिस्तीनी आबादी शरणार्थी हैं, जो अपनी दैनिक आजीविका के लिए ज़्यादातर मानवीय सहायता पर निर्भर हैं। भूमि, वायु और समुद्र के माध्यम से परिवहन की आवाजाही पर सुरक्षा से जुड़ी इजरायली नाकाबंदी ने गाजा की अच्छी–खासी आबादी को क्षेत्र से भागने या भूख से मरने के लिए मजबूर किया है। एक तरह से, गाजा की शरणार्थी आबादी लंबे समय से संकीर्ण पट्टी में शो चलाने वाले हमास आतंकवादियों द्वारा बंदी बना ली गयी है। एक बार फिर से उस क्षेत्र को हासिल करने के बाद, इजरायल वहां यहूदी आबादी की पर्याप्त उपस्थिति सुनिश्चित करेगा ताकि इसका सुचारू प्रबंधन सुनिश्चित हो सके और पट्टी को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाया जा सके। एक बार जब गाजा पट्टी पर विजय प्राप्त कर ली जायेगी है और पश्चिमी तट का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह से इजरायल के नियंत्रण में आ जायेगा है, तो उम्मीद है कि देश दुनिया की शीर्ष आर्थिक और सैन्य शक्ति के रूप में उभरने के अपने लंबे समय से संजोये गये सपने को साकार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। वर्तमान में, इजरायल पश्चिम एशिया का सबसे विकसित और उन्नत देश है, जिसके पास दुनिया में 17वां सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है। अरब प्रायद्वीप के साथ–साथ तुर्की, मिस्र और ईरान सहित 18 सदस्यीय पश्चिम एशियाई क्षेत्र में प्रति वयस्क औसत संपत्ति सबसे अधिक है। प्रति व्यक्ति वित्तीय परिसंपत्तियों के मामले में इजरायल दुनिया भर में 10वें स्थान पर है। उल्लेखनीय रूप से, आठ अरब देश अब खुले तौर पर और बेशर्मी से इजरायल के साथ व्यवहार करते हैं। वे हैंरू सऊदी अरब, यूएई, मिस्र, जॉर्डन, ओमान, मोरक्को, बहरीन और सूडान। यह मानते हुए कि गाजा और लेबनान में इजरायल की लड़ाई जल्द ही कम हो जायेगी, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की नवीनतम आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट ने पूर्वानुमान लगाया है कि देश की अर्थव्यवस्था 2025 में 3.4 प्रतिशत और 2026 में 5.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जो कि ओईसीडी के वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए 2025 में 3.1प्रतिशत और 2026 में तीन प्रतिशत के औसत विकास पूर्वानुमान से अधिक है। चालू वर्ष के लिए ओईसीडी का विकास पूर्वानुमान बैंक ऑफ इजरायल के चार प्रतिशत और इजरायल वित्त मंत्रालय के 4.4 प्रतिशत के अनुमान से कम है। हालांकि, ओईसीडी को उम्मीद है कि इस साल इजरायल की अर्थव्यवस्था में सुधार आयेगा, हालांकि यह विकास की गति के बारे में निराशावादी है, क्योंकि युद्ध से संबंध ित खर्च के जोखिम का हवाला देतेहुए इसने कहा कि देश के वित्त पर इसका असर पड़ रहा है। 2023 यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट ने इजरायल को दुनिया के 10 सबसे शक्तिशाली देशों में स्थान दिया। इसने पाया कि इजरायल की सेना दुनिया भर में चौथी सबसे मजबूत है, जो केवल अमेरिका, चीन और रूस से पीछे है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल दुनिया की छठी सबसे अध िक राजनीतिक रूप से प्रभावशाली शक्ति भी है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि एक अग्रणी वैश्विक आर्थिक और सैन्य शक्ति बनने के लिए इजरायल की बोली बहुआयामी है। इनमें देश के उच्च तकनीक क्षेत्र को मजबूत करना, रक्षा प्रौद्योगिकी में निरंतर नवाचार और एक मजबूत अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना शामिल है। कई बहुराष्ट्रीय निगम देश में अनुसंधान और विकास केंद्र स्थापित कर रहे हैं। इसमें एक जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जो स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह के निवेश को आकर्षित करता है और नवाचार को बढ़ावा देता है। इजरायल के पास एक अच्छी तरह से स्थापित और अत्यधिक अभिनव रक्षा विनिर्माण उद्योग है, और वह उन्नत हथियार और प्रौद्योगिकी विकसित कर रहा है। वह रक्षा उपकरणों का एक महत्वपूर्ण निर्यातक देश है। इजराइल देश के आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए गाजा युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करना चाहता है। वर्ष की अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में, इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कसम खायी कि वर्तमान युद्ध के अंत तक, पूरा गाजा पट्टी इजरायली सुरक्षा नियंत्रण में होगा। दिलचस्प बात यह है कि दक्षिणी गाजा क्षेत्र में फिलिस्तीनी हाल ही में हमास के विरोध में सड़कों पर उतरे हैं। गाजा स्थित फिलिस्तीनी प्रदर्शनकारियों को सोशल मीडिया पर पोस्ट किये गये वीडियो में युद्ध को समाप्त करने और गाजा से सशस्त्र समूह को हटाने का आह्वान करते हुए देखा गया। उन्होंने नारे लगाये श्बाहर! बाहर! बाहर! पूरा हमास, बाहर!श पिछले हफ्ध्ते इजरायली हमले में हमास के सशस्त्र विंग के प्रमुख मोहम्मद सिनवार की मौत के बाद, गाजा युद्ध के लंबे समय तक चलने की संभावना नहीं है।

अपने एक्स की बीवी को आलिया भट्ट ने भेजे प्यारे-प्यारे तोहफे, मॉम-टू-बी एक्ट्रेस ने शेयर की तोहफों की झलक

बॉलीवुड के चहेते कपल कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। कपल के घर जल्द ही एक नन्हा सा मेहमान आने वाला है। इसी बीच हाल ही में पेरेंट्स–टू–बी इस कपल को एक बेहद खास शख्स की तरफ से तोहफा मिला दृ और वो हैं आलिया भट्ट। आलिया ने अपने बेबी क्लोथिंग ब्रांड म्क–ं–डंउउं से कुछ प्यारे–प्यारे बेबी कपड़े अपने एक्स बॉयफ्रेंड की पत्नी कियारा के लिए भेजे, जिसके बाद वो खूब चर्चा में हैं। कियारा ने अपने पति की एक्स गर्लफ्रेंड आलिया द्वारा मिले इस खूबसूरत गिफ्ट की तस्वीर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की और लिखा, वहीं, फैंस को भी आलिया द्वारा भेजा ये गिफ्ट काफी पसंद आ रहा है और वो आलिया–सिद्धार्थ के रिलेशनशिप के एक बार फिर याद कर रहे हैं।बता दें, फैंस को याद सिद्धार्थ मल्होत्रा और आलिया भट्ट दोनों ने साल 2012 में श्स्टूडेंट ऑफ द ईयरश से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म की रिलीज के बाद दोनों के अफेयर की अफवाहें भी जोर पकड़ने लगी थीं। हालांकि कुछ वर्षों बाद ये रिश्ता खत्म हो गया और दोनों ने अपनी–अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने का फैसला किया। अब आलिया भट्ट की शादी रणबीर कपूर से हो चुकी है और वे भी एक बेटी की मां हैं। जहां कियारा अपने नए जीवन अध्याय के लिए खुद को तैयार कर रही हैं, वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा भी पिता बनने को लेकर बेहद एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। हाल ही में उन्होंने यूरोप ट्रिप से कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वे एक कैफे में सुकून से बैठे मुस्कुराते नजर आए थे।

अजय देवगन के साथ 'धमाल 4' में धमाल मचाएंगी ईशा गुप्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता फिल्म 'धमाल 4' में अजय देवगन के साथ धमाल मचाती नजर आयेंगी। बॉलीवुड की ग्लैमरस और प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में शुमार ईशा गुप्ता एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। इस बार वह कॉमेडी से भरपूर बहुचर्चित फिल्म धमाल 4 में नजर आयेंगी। इंद्र कुमार के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में ईशा गुप्ता अजय देवगन के अपोजिट एक अहम किरदार में नजर आएंगी। यह जोड़ी इस साल की सबसे दिलचस्प कास्टिंग मानी जा रही है। अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास से भरपूर स्क्रीन प्रेजेंस और दमदार अभिनय के लिए जानी जाने वाली ईशा अब धमाल यूनिवर्स में एक नई चमक लेकर आ रही हैं। धमाल 3 में उनके स्टाइल और तेवरों भरे किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब वह धमाल 4 में वापसी कर रही हैं। इस बार उनका किरदार और भी बोल्ड और कहानी में केंद्रीय भूमिका निभाने वाला होगा।निर्देशक इंद्र कुमार ने कहा, हम बहुत खुश हैं कि ईशा गुप्ता दोबारा धमाल 4 में हमारे साथ हैं। वह धमाल 3 का भी हिस्सा रही थीं। वह एक बेहतरीन अभिनेत्री और शानदार इंसान हैं। उनके साथ काम करना हमेशा सुखद अनुभव होता है। हाल ही में ईशा ने हनी सिंह और जुबिन नौटियाल के साथ ब्राउन आइज वाली और इश्क मेरा जैसे म्यूजिक वीडियोज में धमाल मचाया है। अब वह अपनी खास अदाओं और स्क्रीन पर दमदार उपस्थिति के साथ धमाल 4 में एक नई ताजगी लेकर आएंगी।

फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर: विभू के बाद, अब इस मशहूर फिल्ममेकर की कैंसर ने ली जान

विभू राघव के बाद बॉलीवुड को बड़ा झटका, मशहूर फिल्ममेकर का कैंसर से निधनफिल्म इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आई है। मशहूर फिल्ममेकर विनोद छाबड़ा का आज 5 जून को कैंसर से निधन हो गया। वे महज 55 साल के थे। विनोद छाबड़ा के निधन की खबर सुनकर पूरी फिल्म इंडस्ट्री और उनके चाहने वाले बहुत दुखी हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

अंतिम संस्कार आज ही होगा

विनोद छाबड़ा का अंतिम संस्कार आज 5 जून को मुंबई में किया जाएगा। उनके परिवार ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए यह दुखद खबर दी है और बताया है कि अब वे इस दुनिया में नहीं रहे। परिवार पर उनके निधन से गहरा सदमा हुआ है।

विनोद छाबड़ा का परिचय

विनोद छाबड़ा ने करीब 40 सालों तक फिल्म इंडस्ट्री में काम किया। उन्होंने न केवल हिंदी फिल्मों में बल्कि मलयालम, तमिल, तेलुगु, बंगाली समेत 20 से ज्यादा भाषाओं में फिल्मों का निर्माण किया। उनकी बनाई कई फिल्मों को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

मशहूर फिल्में और काम

विनोद छाबड़ा की हिंदी फिल्मों में 'पापी गुड़िया', 'जिम्मेदार', 'माई हसबैंड्स वाइफ' जैसी कई सफल फिल्में शामिल हैं। वे सिर्फ एक फिल्ममेकर ही नहीं, बल्कि एक अभिनेता के रूप में भी अपनी पहचान बना चुके थे।

हाल ही में हुआ था विभू राघव का निधन

यह खबर खासतौर पर इसलिए भी दुखद है क्योंकि कुछ दिन पहले ही टीवी एक्टर विभू राघव का भी कैंसर के कारण निधन हुआ था। विनोद छाबड़ा की यादें और उनकी फिल्में हमेशा उनके चाहने वालों के दिलों में जिंदा रहेंगी। उनकी आत्मा की शांति के लिए सभी लोग दुआ कर रहे हैं।

ईडी ने मुंबई में डीनो मोरिया के घर पर छापा मारा, मीठी नदी घोटाले में बढ़ रही है अभिनेता की मुश्किलें

मीठी नदी गाद हटाने के घोटाले मामले में बॉलीवुड अभिनेता डिनो मोरिया की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। अब इस मामले में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। आज सुबह ईडी ने डिनो मोरिया के घर पर छापेमारी की है। इससे ऐसा लग रहा है कि डिनो मोरिया की पकड़ और गहरी होती जा रही है। डिनो और उनके भाई सैंटिनो से आर्थिक अपराध शाखा की विशेष टीम दो बार पूछताछ कर चुकी है। इस दौरान बताया जा रहा है कि दोनों ने पुलिस को कुछ दस्तावेज सौंपे हैं। दोनों पर बिचौलियों और ठेकेदारों को गाद हटाने का ठेका दिलाने में मदद करने का संदेह है। जानकारी सामने आ रही है कि मीठी नदी गाद हटाने के घोटाले में ईडी ने 15 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी की है। इसमें मुंबई और केरल के कोच्चि के स्थान शामिल हैं। इस बात की जोरदार चर्चा है कि नगर निगम चुनाव से पहले ठाकरे गुट को मुश्किल में डालने के लिए ऐसा किया जा रहा है। इस मामले में आजाद मैदान थाने में नगर निगम के तीन अधिकारियों, पांच ठेकेदारों, तीन बिचौलियों और दो कंपनियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था. आरोप है कि इस फर्जीवाड़े से नगर निगम को 65 करोड़ 54 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। डिनो मोरिया और उनके भाई से आर्थिक अपराध शाखा ने करीब आठ घंटे तक पूछताछ की।इस मामले में गिरफ्तार आरोपी केतन कदम और डिनो मोरिया के बीच 2019 से 2022 के बीच कई वित्तीय लेन–देन हुए हैं। आर्थिक अपराध शाखा इस मामले की जांच कर रही है।

बिचौलियों का पूरा मामला क्या है?

डिनो मोरिया और उनके भाई पर गिरफ्तार किए गए दो बिचौलियों में से एक को ठेका दिलाने में मदद करने का आरोप है। इन सभी मामलों में डिनो मोरिया ने चुप्पी साध रखी है। उन्होंने कहा कि वे जांच में पुलिस अधिकारियों का सहयोग करेंगे। आरोपी केतन कदम के न्यायिक हिरासत में जाने के बाद आर्थिक अपराध शाखा को उसके लेन–देन की जानकारी मिली थी। डिनो मोरिया पिछले 25 सालों से आरोपी कदम को जानता है। इस घोटाले में ऑडिट भी कराया जाएगा। इसके लिए ऑडिट फर्म के साथ एग्रीमेंट करने की प्रक्रिया चल रही है।

ऐ जिंदगी को अमेरिकन ट्रांसप्लांट फाउंडेशन ने दी मान्यता

हिंदी फीचर फिल्म 'ऐ जिंदगी' को अमेरिकन ट्रांसप्लांट फाउंडेशन से आधिकारिक मान्यता मिल गई है। इस फिल्म को संगठन की प्रतिष्ठित फिल्मों की सूची में शामिल किया गया है, जो अंग प्रत्यारोपण के भावनात्मक और नैतिक पहलुओं को प्रामाणिक रूप से दिखाने के लिए जानी जाती हैं। यह फिल्म विल स्मिथ की सेवन पाउंड्स और डेविड डचोवनी की रिटर्न टू मी जैसी कुछ उल्लेखनीय फिल्मों के साथ सूची में शामिल है। यूएस–आधारित ट्रांसप्लांट नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. अनिरबन बोस द्वारा लिखित और निर्देशित, ऐ जिंदगी को प्लाटून वन फिल्म्स के बैनर तले शिलादित्य बोरा द्वारा समर्थित किया गया है। ऐ जिंदगी लीवर की विफलता से पीड़ित एक युवा रोगी और एक शोक परामर्शदाता की यात्रा का वर्णन करती है। फिल्म एक वास्तविक जीवन की कहानी से प्रेरित है। फिल्म के मुख्य कलाकारों में सत्यजीत दुबे, रेवती और मृण्मयी गोडबोले शामिल हैं। ताजा उपलब्धि के बारे में बात करते हुए, श्ऐ जिंदगीश के निर्माता डॉ. अनिरबन बोस ने मान्यता को बहुत विनम्र कहा। उन्होंने कहा, एक चिकित्सक के रूप में, मैंने प्रत्यक्ष रूप से देखा है कि प्रत्यारोपण की कहानियां किस तरह सामने आती हैं–अनिश्चितता, अनुग्रह और गहन मानवता से भरी हुई। ऐ जिंदगी के साथ, हमारी आशा उस भावनात्मक सत्य को पकड़ने की थी, और यह जानकर खुशी हो रही है कि संदेश अब वैश्विक स्तर पर गूंज रहा है। इसके अलावा, निर्माता शिलादित्य बोरा ने कहा, यूट्यूब लंबे समय से स्वतंत्र रचनाकारों के लिए एक शक्तिशाली मंच रहा है, और यह उन तरीकों से विकसित होता रहता है जो इसे अविश्वसनीय रूप से सहायक बनाते हैं, जिसमें रचनाकार–अनुकूल एल्गोरिदम और समय पर भुगतान से लेकर पारदर्शी विश्लेषण और बेजोड़ पहुंच शामिल है। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा इसकी क्षमता पर विश्वास रहा है, यही वजह है कि हमने मई में यूट्यूब पर ऐ जिंदगी लाने का फैसला किया। यह देखकर खुशी हो रही है कि आमिर खान जैसी प्रमुख उद्योग हस्तियां भी अब इस मंच को अपना रही हैं। उल्लेखनीय बात यह है कि यूट्यूब, मूल या प्रोफाइल की परवाह किए बिना, वास्तव में अच्छी सामग्री को महत्व देता है, और यह सभी के लिए एक गेम–चेंजर है।

आओ ना' में अदनान सामी-आशा भोसले की जोड़ी ने फिर छू लिया दिलों का तार

प्यार कभी सिर्फ काला और सफेद नहीं होता, यह खेल–कूद भरा, अप्रत्याशित होता है, और कभी–कभी इसे बस सही गाने की जरूरत होती है। अदनान सामी के खास अंदाज और आशा भोसले की जपउमसमे आवाज के साथ, 'आओ ना' एक ऐसा गीत है जो दिल की भाषा को समझता है। और उसे बेहद खूबसूरती से बोलता है। अदनान सामी के टी–सीरीज के साथ बड़े संगीत वापसी के रूप में, 'आओ ना' पुराने भारतीय संगीत को आधुनिक प्रोडक्शन के साथ जोड़ता है। तबले, ड्रम, गिटार और सिंथ्स का ऐसा मेल जो पुरानी यादों और नई ताजगी दोनों को जगाता है। कुणाल वर्मा द्वारा लिखा गया यह गीत रोमांस, ताल और दूसरी बार प्यार पाने के रोमांच से भरा है, जिसे सामी की दिल से निकली धुन और आशा भोसले के विंटेज परन्तु ट्रेंडी अंदाज ने सजाया है। मैं चाहता था कि 'आओ ना' एक हल्का–फुल्का, खुशमिजाज प्रेम गीत हो जो रिश्तों की जिंदादिली को पकड़ सकेय उतार–चढ़ाव और वो छोटे–छोटे जज्बात जो रिश्तों को खास बनाते हैं। आशा जी के साथ फिर से काम करना मेरे लिए एक बड़ा सम्मान था, और टी–सीरीज के साथ मेरी वापसी मुझे घर लौटने जैसा लग रहा है। आओ ना' ऐसा गीत है जो एक गर्मजोशी भरी गले लगाने जैसा महसूस होता है, यह सिर्फ प्यार में पड़ने की कहानी नहीं, बल्कि उसमें बने रहने की कहानी है कृ हंसी, तड़प और उनके बीच के हर एहसास के साथ।

लंबे समय तक एसी में रहने से हो सकती हैं कई स्वास्थ्य समस्याएं, जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

मई–जून के महीने में गर्मी अपना प्रचंड रूप दिखा रही है। चिलचिलाती धूप और लू ने लोगों को परेशान कर रखा। जिसके कारण लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। ऐसे में तेज गर्मी से राहत पाने के लिए लोग अधिकतर समय कूलर या एसी के सामने बिताते हैं। इन दिनों एसी का चलन काफी ज्यादा बढ़ गया है। घर हो या ऑफिस हर जगह एसी लगी होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि लगातार एसी की हवा खाना आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है। साथ ही एसी की हवा से बाहर निकलने पर भी बुरा असर पड़ता है। दरअसल, एसी की ठंडी हवा में रहने के बाद जब आप गर्म वातावरण में बाहर जाते हैं, तो अचानक तापमान में बदलाव होता है। जो आपकी सेहत पर बुरा असर डालता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि एसी की हवा किस तरह से आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है।

जानिए क्या कहते हैं हेल्थ एक्सपर्ट

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक जब आप एसी के ठंडे वातावरण से बाहर निकलते हैं। तो तापमान में अचानक से होने वाला बदलाव आपकी सेहत पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। जब आपका शरीर ठंडे वातावरण से गर्मी में जाता है, तो उसे गर्मी का झटका लगता है। अचानक से हुए इस तापमान के बदलाव की वजह से कई शारीरिक प्रतिक्रियाएं शुरू हो सकती हैं।

दिल की सेहत के लिए नुकसानदेह

एसी का ठंडा वातावरण सबसे पहले आपका हार्ट फंक्शन प्रभावित होता है। गर्मी की वजह से ठंडे वातावरण में सिकुड़ी हुई रक्त वाहिकाएं यानी ब्लड वेसल्स काफी तेजी से फैलने लगती है। जिसके कारण ब्लड प्रेशर में तेजी से कमी आती है। इसकी वजह से आपकोचक्कर या बेहोशी भी आ सकती है। खासकर दिल की बीमारी का शिकार लोगों यह बदला वातावरण काफी परेशान कर सकता है।

ब्रोंकाइटिस या अस्थमा के पेशेंट

ठंडे तापमान के बाद अचानक से गर्मी तापमान में आने से ब्रोंकाइटिस या अस्थमा जैसी रेस्पिरेटरी संबंधी बीमारियां पकड़ सकती हैं। जब शरीर अधिक पसीना बहाकर खुद को ठंडा रखने की कोशिश करता है। वहीं गर्मी की वजह से डिहाइड्रेशन भी हो सकता है। ऐसे में शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी के कारण थकावट, सिरदर्द और मांसपेशियों में ऐंठन हो सकती है।

हीटस्ट्रोक

जब आप अचानक से ठंडे तापमान से निकलकर गर्म तापमान में जाने से शरीर इसको कंट्रोल करने में असमर्थ होता है और हीटस्ट्रोक का कारण बनती है। इसकी वजह तेज दिल की धड़कन और यहां तक घ्घ्घकि बेहोशी जैसे लक्षण देखने को मिल सकते हैं। जब शरीर की इस तापमान को कंट्रोल करने की क्षमता विफल हो जाती है, तो शरीर के तापमान में तेजी से बढ़ोत्तरी होती है। जिसके कारण हीट स्ट्रोक होता है। जो एक गंभीर और घातक बीमारी है।

तकिया लेकर सोने की आदत कर रही है आपको बीमार, जानें कैसे

नारी डेस्करू सोते समय तकिया लेना हर किसी के लिए बेहद जरूरी होता है, खासतौर पर रात के समय। कई लोग तो 1 की बजाए दो या तीन तकिये भी लेकर सोते हैं। नर्म–नर्म रूई से भरे तकिये पर सोना भले ही बेहद आरामदायक होता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि इससे आप अपनी सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। दरअसल, सुनने में थोड़ा अजीब जरूर लगता है, लेकिन यह सच है कि तकिया लगाकर सोने से हम कई बीमारियों को बढ़ावा देते हैं। अगर आप भी एक या एक से ज्यादा तकिये लेकर सोते हैं तो पहले इससे होने वाले नुकसान के बारे में जरूर जान लें।

बढ़ जाती है गर्दन की अकड़न

तकिया बहुत ऊंचा हो या सख्त तकिया इस्तेमाल करने से कंधों और गर्दन की मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है जिससे गर्दन में दर्द और अकड़न की समस्या हो सकती है। गर्दन के मसल्स खिंच सकते हैं और सिर के पिछले हिस्से, पीठ और गर्दन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

स्पाइन से जुड़ी समस्याएं

तकिया लगाने से सोते समय शरीर का पॉस्चर बिगड़ जाता है और रीढ़ की हड्डी को क्षति पहुंच सकती है। इससे स्पाइन या रीढ़ की हड्डी का आकार बिगड़ सकता है और कई प्रकार की हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं

जल्द आ सकता है बुढ़ापा

दरअसल, तकिए के सम्पर्क में आने से चेहरे की त्वचा खिंचती है और उसपर प्रेशर भी पड़ता है। इससे चेहरे की त्वचा पर झुर्रियां, फाइन लाइंस जल्दी दिख सकती हैं जो कि बुढ़ापे की निशानियां मानी जाती हैं। इसी तरह स्किन इंफेक्शन्स का खतरा भी बढ़ता है।

होती हैं त्वचा सम्बन्धी समस्या

तकिये की खोल को रोज नहीं धोया जाता है, जिसके कारण इसके ऊपर गंदगी, तेल, धूल और कहीं आपके बालों में डैंड्रफ है तो वह भी झड़ कर लग जाता है। यह सब आपके चेहरे की त्वचा के सम्पर्क में आते हैं, जिससे त्वचा सम्बन्धी समस्याएँ होने लगती हैं।

बिना तकिये लगाए सोने से होते हैं यह फायदे

कमर दर्द में होता है आराम

आपकी रीढ़ की हड्डी धीरे–धीरे टेढ़ी होनी शुरू हो जाती है। जी हां, तकिया लगाकर सोने से रीढ़ की हड्डी के नेचुरल पोश्चर में गड़बड़ी होनी शुरू हो जाती है और कमर दर्द शुरू हो जाता है। इसलिए बिना तकिए के सोने से आपकी गर्दन और रीढ़ की हड्डी सही पोजीशन में होती है और दर्द नहीं होता है।

नहीं होता सिरदर्द

जब भी आप रात के वक्त तकिया लगाकर सोते हैं तो सिर में खून की आपूर्ति सही तरीके से नहीं हो पाती है, जिसकी वजह से ऑक्सीजन भी सही से नसों तक नहीं पहुंच पाती है। यही वजह है कि आप अगले दिन सुबह उठने के बाद सिर में हल्का–हल्का दर्द महसूस करते हैं। जब आप बगैर तकिए के सोते हैं तो सिर में खून की आपूर्ति सही तरीके से होती है और सिरदर्द की समस्या नहीं होती।

तनाव से छुटकारा

बहुत से लोग नींद न पूरी होने की वजह से अगले दिन चिड़चिड़ापन और खुद को तनाव से घिरा हुआ पाते हैं। अगर आपका तकिया आपको आराम नहीं दे पा रहा है तो आप और ज्यादा तनाव ग्रस्त हो सकते हैं। इसलिए बिना तकिया के सोकर आप तनाव से छुटकारा पा सकते हैं।

गर्दन दर्द और खिंचाव से मिलता आराम

तकिए के बिना सोने से आपकी गर्दन को भी दर्द और खिंचाव से आजादी मिलती है और आपके कंधे भी परेशान नहीं करते। बिना तकिया लगाये सोने से गर्दन और कंधे में रक्त संचार सामान्य रूप से होता है और आप इससे जुड़ी दिक्कतों से परेशान नहीं होते।

बेहतर आती है नींद

कई अध्ययनों से पता लगा है कि तकिया लगा कर सोने की जगह बिना तकिए पर सोने पर नींद ज्यादा बेहतर आती है और आप दिनभर तरोताजा और रिलैक्स अनुभव करते हैं। सिर, गर्दन और कंधे की नसों को आराम मिलने के चलते आप की नींद की क्वालिटी बेहतर हो जाती है और आप एक सुकून भरी नींद का मजा ले पाते हैं ।

कम होती हैं झुर्रियाँ

इससे उसका दायाँ या बायाँ गाल दब जाता है। यह तरीका आपके चेहरे पर घंटों तक दबाव बनाए रखता है जिससे रक्त संचार प्रभावित होता है और चेहरे की समस्याएं उभरती हैं। सबसे बड़ी समस्या चेहरे पर झुर्रियाँ जल्दी आने लगती हैं। यदि आप चाहते हैं कि आपके चेहरे पर जल्द से झुर्रियाँ नहीं पड़ने लगें तो आप तकिये के बिना सोना शुरू करें।

बार-बार मिसकैरेज की हो सकती है ये वजह, 50 प्रतिशत महिलाओं को नहीं है इसकी जानकारी

बार–बार होने वाले गर्भपात के पीछे कई कारण होते हैं, जैसे आनुवांशिक कारक, पर्यावरणीय कारक, संक्रमण, हार्मोन विकार आदि। आमतौर पर गर्भपात गर्भावधि के 20 सप्ताह से पहले होता है, लेकिन कुछ मामलों में यह पहले 12 सप्ताह में भी हो सकता है। लगभग 50 प्रतिशत महिलाओं की बार–बार गर्भपात के लिए सटीक जांच और उपचार हो जाता है, लेकिन शेष 50 प्रतिशत मामलों में कारण अस्पष्ट रह जाते हैं या उनकी समस्या का कोई स्पष्ट कारण नजर नहीं आता।

'पैल्विक फ्लोर' है बड़ी समस्या

इस स्थिति का एक बहुत ही महत्वपूर्ण कारण हो सकता है 'पैल्विक फ्लोर' की मांसपेशियों की कमजोरी जिसे स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा भी अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। 'पैल्विक फ्लोर' शरीर का वह हिस्सा है, जिसमें ब्लैडर, यूटेरस, वजाइना और रैक्टम होते हैं। यह हिस्सा महिलाओं के शरीर के सबसे अहम अंगों को सहेज कर रखता है। इसकी कमजोरी की समस्या पर काबू पाने के लिए अभी तक अधिक महत्व नहीं दिया गया है। गर्भपात की समस्या से पीड़ित अधिकांश महिलाएं सटीक कारण का पता लगाने के लिए पेट की जांच और परीक्षण करवाती हैं।

महिलाओं को करवानी चाहिए जांच

ऐसी सभी महिलाओं के लिए जरूरी है कि वे 'पैल्विक फ्लोर' की मांसपेशियों की जांच भी करवाएं ताकि इसकी कमजोरी की समस्या का भी पता चल सके। यदि यह आपके गर्भपात का कारण निकलता है तो स्त्री रोग विशेषज्ञ या पैल्विक फ्लोर रिहैबिलिटेशन स्पैशलिस्ट से उचित परामर्श लेना चाहिए। 'पैल्विक फ्लोर' की मांसपेशियों की कमजोरी का उपयुक्त इलाज और उसके बाद गर्भपात की समस्या का समाधान किया जा सकता है।

डॉक्टर से जरुर लें सलाह

एक्सपर्ट की मानें तो प्रेग्नेंसी के दौरान पेल्विक फ्लोर में बदलाव शुरू हो जाता है। इस बदलाव की वजह से पेल्विक फ्लोर के 25 प्रतिशत तक कमजोर होने की संभावना हो जाती है। इसलिए, डिलीवरी के बाद थोड़ी–थोड़ी एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार जिन महिलाओं को ऐसा लगता है कि उनकी पेल्विक फ्लोर कमजोर है और इसकी वजह से उन्हें समस्याएं हो रही हैं, तो इस विषय पर डॉक्टर से सलाह लें।

क्या है इसका इलाज

–कुछ मामलों में इलाज बिना सर्जरी के होता है, लेकिन ज्यादातर मामलों में इस समस्या का इलाज सिर्फ सर्जरी ही है।

–बिना सर्जरी के इलाज में पेल्विक फ्लोर की मांसपेशियों की मजबूती के लिए एक्सरसाइज कराई जाती है।

–अगर पेशाब की थैली या मलाशय नीचे आता है तो पेल्विक फ्लोर रिपेयर किया जाता है।

–अगर बच्चेदानी और वजाइना बिल्कुल नीचे आ गई हो तो बच्चेदानी निकालनी पड़ती है।

–योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर भी पेल्विक मसल्स काफी बेहतर हो सकती है।

–कई बार कीगल्स एक्सरसाइज से इस समस्या का समाधान हो जाता है।

लगातार 1 महीना 30 मिनट साइकिल चलाएं फिर देखिए बॉडी दिखाती 8 कमाल, नहीं खानी पड़ेगी एक भी दवाई

सेहतमंद रहने के लिए फिजिकल एक्टिविटी बहुत जरूरी है। जैसे कि योग, व्यायाम, स्विमिंग और साइकलिंग। साइकिल चलाने के भी अपने ही फायदे हैं। इसे चलाने से आपके पूरे शरीर का व्यायाम हो जाता है। बहुत से लोग जो वेट लूज करना चाहते हैं उनके लिए साइकिल चलाना सबसे फायदेमंद है। अगर आप एक महीने तक रोजाना 30 मिनट तक साइकिल चलाते हैं तो आपके शरीर और स्वास्थ्य में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। यह एक शानदार कार्डियो एक्सरसाइज है जो शरीर को अंदर और बाहर दोनों तरह से मजबूत बनाती है। चलिए अब इसके ढेर सारे फायदे आपको बताते हैं।

वजन होगा कम

साइकिल चलाने से कैलोरी बर्न होती है (लगभग 200–400 कैलोरी 30 मिनट में)। रोजाना 30 मिनट से शरीर की फैट बर्निंग क्षमता बढ़ती है। खासतौर पर पेट, जांघ और कमर की चर्बी कम होने लगती है। अगर आप वेट लूज करना चाहते हैं तो साइकिल चलाना शुरू कर दें।

दिल और फेफड़े होंगे मजबूत

साइकिल चलाना एक कार्डियोवैस्कुलर एक्सरसाइज है जो दिल की धड़कन नियमित करता है। इससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है और हृदय रोग का खतरा कम होता है।

मानसिक तनाव और डिप्रेशन में राहत

रोजाना साइकिल चलाने से एंडोर्फिन (खुशी के हार्मोन) रिलीज होते हैं। मानसिक तनाव, चिंता और नींद की समस्या में सुधार होता है। आत्मविश्वास और मूड बेहतर रहता है।

मांसपेशियां मजबूत होंगी

जांघ, कूल्हों, पैरों और पिंडलियों की मांसपेशियां मजबूत और टोन होती हैं। निचले शरीर की स्ट्रेंथ और स्टेमिना बढ़ती है।

शरीर का संतुलन और पोस्चर होगा सही

साइकिल चलाने से शरीर का कोऑर्डिनेशन और बैलेंस बेहतर होता है। पीठ और रीढ़ की हड्डी को सहारा मिलता है, जिससे पोस्चर सुधरता है।

पाचन और मेटाबॉलिज्म होगा तेज

साइकिल चलाने से पाचन तंत्र सक्रिय होता है। मेटाबॉलिज्म रेट बढ़ने से शरीर में ऊर्जा बनी रहती है।

इम्यूनिटी स्ट्रांग होगी

नियमित व्यायाम से शरीर में प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है, जिससे बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है।

ध्यान देने योग्य बातें

शुरुआत में थकान, मांसपेशियों में खिंचाव या हल्की अकड़न महसूस हो सकती है, जो कुछ दिनों में ठीक हो जाती है।

हेलमेट और सेफ्टी गियर पहनना जरूरी है।

अगर आप आउटडोर साइक्लिंग नहीं कर सकते तो स्टेशनरी साइकिल भी एक अच्छा विकल्प है।

1 महीने में होगा ये बदलाव

अगर आप अनुशासित डाइट ले तो आपको वजन 1.5 से 3 किलो तक कम हो सकता है।

स्टेमिना बढ़ेगा। मूड,चिंता और चिड़चिड़ापन में कमी होगी।

मांसपेशी टोन होगी। खासकर जांघ और पिंडली में फर्क दिखेगा।

अच्छी और चैन भरी नींद आएगी। एक महीने तक रोज 30 मिनट साइकिल चलाना न केवल आपकी फिटनेस को बेहतर करता है, बल्कि यह आपके मानसिक स्वास्थ्य और आत्मविश्वास को भी नई ऊर्जा देता है। अगर आप इसे लंबे समय तक जारी रखते हैं तो यह आपकी लाइफस्टाइल बदल सकता है।

संक्षिप्त

RBI ने लिया बड़ा फैसला, रेपो दर को 0.5 प्रतिशत घटाकर 5.5 प्रतिशत किया, Loan-EMI पर मिलेगी राहत

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी दे दी है। शुक्रवार को मुंबई से मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा घ्ने बताया कि एमपीसी ने तरलता समायोजन सुविधा के तहत नीतिगत रेपो दर को 50 आधार अंकों से घटाकर 5.5 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इस वर्ष एमपीसी की बैठक चार जून को शुरू हुई थी। आरबीआई ने इस बैठक में फैसला किया है कि रेपो रेट को कम किया जाएगा। ये लगातार तीसरी बार है जब आरबीआई ने रेपो रेट में कटौती की है। संजय मल्होत्रा ने कहा कि एमपीसी द्वारा अनुशंसित कटौती 50 आधार अंकों से 5.5 प्रतिशत तक है। यह तत्काल प्रभाव से लागू है। आरबीआई गवर्नर ने यह भी बताया कि रेपो दर में कटौती का कारण यह है कि मुद्रास्फीति में नरमी आई है, निकट अवधि और मध्यम अवधि का संरेखण आरबीआई के दायरे में है, तथा खाद्य मुद्रास्फीति नरम बनी हुई है। परिणामस्वरूप, स्थायी जमा सुविधा दर, जो कि एसडीएफ दर है, 5.25 प्रतिशत पर समायोजित हो जाएगी, तथा सीमांत स्थायी सुविधा एमएसएफ दर और बैंक दर 5.75 प्रतिशत पर समायोजित हो जाएगी। मल्होत्रा घ्ने कहा, ष्मौद्रिक नीति समिति की बैठक 4, 5 और 6 जून को हुई, जिसमें नीतिगत रेपो दर पर विचार–विमर्श किया गया तथा विकसित हो रहे व्यापक आर्थिक और वित्तीय घटनाक्रमों और आगामी आर्थिक परिदृश्य का विस्तृत आकलन किया गया। आरबीआई गवर्नर ने इस बात पर जोर दिया कि इस वित्तीय वर्ष में मुद्रास्फीति के अनुमान को संशोधित कर नीचे की ओर कर दिया गया है। वैश्विक परिदृश्य नाजुक बना हुआ है, तथा बहुपक्षीय एजेंसियों द्वारा वैश्विक वृद्धि के अनुमान को संशोधित कर नीचे की ओर कर दिया गया है। बढ़ती आर्थिक और वित्तीय प्रणालियाँ वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया आकार दे रही हैं। मौद्रिक नीति समिति की 55वीं बैठक मानसून सीजन की शीघ्र एवं आशाजनक शुरुआत की पृष्ठभूमि में आयोजित की गई। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसके विपरीत, वैश्विक पृष्ठभूमि नाजुक और अत्यधिक अस्थिर बनी हुई है। भारत के विकास, मुद्रास्फीति और घरेलू मांग में सुधार के सभी मोर्चों पर स्थिरता है। भारतीय अर्थव्यवस्था निवेशकों के लिए अपार अवसर प्रदान करती है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार, भारत की खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में घटकर 3.16 प्रतिशत रह गई, जबकि मार्च में यह 3.34 प्रतिशत थी। मुद्रास्फीति में गिरावट ने इसे रिजर्व बैंक के 4 प्रतिशत के आरामदायक स्तर से नीचे ला दिया है, जिससे उम्मीद है कि केंद्रीय बैंक ब्याज दरों पर नरम रुख अपना सकता है। 7, 8 और 9 अप्रैल को हुई पिछली एमपीसी बैठक में आरबीआई ने पहले ही रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती कर दी थी, जिससे यह 6.25 प्रतिशत से घटकर 6 प्रतिशत हो गई थी।

विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में क्रिप्टो का तेजी से बढ़ना चिंता का विषय, IMF की गीता गोपीनाथ ने दी जानकारी

विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में क्रिप्टो के बढ़ते चलन पर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अधिकारियों ने भी चिंता व्यक्त की है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रथम उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने क्रिप्टो को लेकर चिंता व्यक्त की है। क्रिप्टो का उपयोग अभी शुरुआती दौर में चल रहा है। उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने कहा कि इससे मुद्रा प्रतिस्थापन के मामले में यह जोखिम पैदा होता है। फाइनेंशियल टाइम्स के साथ एक साक्षात्कार में गीता गोपीनाथ ने बताया कि हम कुछ

उभरते बाजारों में क्रिप्टो के उपयोग में काफी तेजी देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि उभरते बाजारों को क्रिप्टो का चलन बढ रहा है। खासतौर से इससे स्टेबलकॉइन्स से होने वाले जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है। इससे उनके वित्तीय संस्थानों में "मध्यस्थता खत्म हो सकती है।" गोपीनाथ ने कहा, "मुद्रा प्रतिस्थापन के जोखिम बढ़ते जा रहे है।" गोपीनाथ की टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा रणनीतिक क्रिप्टो रिजर्व के लिए जोर देने बाद आई है। दरअसल डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका को ष्दुनिया की क्रिप्टो राजधानीष बनाने के लिए स्टेबलकॉइन जारी करने का समर्थन कर रहे है। वहीं भारतीय उपमहाद्वीप में पाकिस्तान ने हाल ही में ट्रम्प परिवार द्वारा समर्थित अमेरिका स्थित वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल इंक के साथ एक समझौता किया है। इससे पाकिस्तान देश को क्रिप्टो हब के तौर पर उभार सकेगा। साथ ही ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के उपयोग और भुगतान और प्रेषण के लिए स्थिर सिक्कों के उपयोग को बढ़ावा दे सके। क्रिप्टो क्षेत्र में गतिविधियों की बाढ़ के बीच विशेषज्ञ गोपीनाथ की चेतावनी से सहमत हैं कि क्रिप्टोकरेंसी विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं और वित्तीय संस्थानों के लिए जोखिम पैदा कर सकती है। स्टेबलकॉइन ऐसी क्रिप्टोकरेंसी होती हैं जिनका मूल्य किसी परिसंपत्ति जैसे मुद्रा या वस्तु जैसे सोने से जुड़ा होता है। डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद से बिटकॉइन जैसी क्रिप्टोकरेंसी में उछाल आया है, क्योंकि उन्होंने डिजिटल सिक्कों पर अपने पहले के संदेहपूर्ण रुख को बदल दिया है। उन्होंने डेविड सैक्स को व्हाइट हाउस क्रिप्टो के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया, जबकि क्रिप्टो समर्थक पॉल एस एटकिंस को सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन का अध्यक्ष भी नियुक्त किया।

दो बार के विश्व चैंपियन इस भारतीय क्रिकेटर ने लिया संन्यास, भारत के लिए 2012 में खेला था पिछला मैच

नई दिल्ली। भारत के स्टार लेग स्पिनर पीयूष चावला ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। शुक्रवार को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये उन्होंने इसकी घोषणा की। पीयूष 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे। उन्होंने भारत के लिए पिछला मैच 2012 में खेला था। हालांकि, पीयूष को 2007 टी20 विश्व कप में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। पीयूष ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, श्कृतज्ञता के साथ इस अध्याय को अंत कर रहा हूं!! खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले रहा हूं। इस खूबसूरत यात्रा में आपके समर्थन के लिए आप सभी का धन्यवाद। पीयूष ने अपने पोस्ट में टीम इंडिया और आईपीएल की जर्सी में कई तस्वीरें भी साझा की हैं।

आईपीएल फ्रेंचाइजियों को दिया धन्यवाद

पीयूष ने लंबे से नोट को शेयर करते हुए लिखा, श्मैदान पर दो दशक से ज्यादा समय बिताने के बाद, अब इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है। भारत का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करने से लेकर 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने तक, इस अविश्वसनीय यात्रा में हर पल किसी वरदान से कम नहीं रहा है। ये यादें हमेशा मेरे दिल में बसी रहेंगी। आईपीएल की उन फ्रेंचाइजियों को दिल से धन्यवाद जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया – पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस। आईपीएल मेरे करियर का एक खास अध्याय रहा है और मैंने इसमें खेलते हुए हर पल को संजोया है।

पीयूष ने परिवार के लिए कही यह बात

पीयूष ने लिखा, श्मैं अपने कोचों – श्री के.के. गौतम और स्वर्गीय श्री पंकज सारस्वत का दिल से आभारी हूं – जिन्होंने मुझे एक क्रिकेटर के रूप में विकसित किया और आकार दिया। मेरा परिवार इस सफर में मेरी ताकत और एक स्तंभ रहा है। परिवार का अटूट समर्थन सभी उतार–चढ़ावों के दौरान मेरी नींव रहा है। मेरे दिवंगत पिता का विशेष उल्लेख करना चाहूंगा। उनका मुझ पर अटूट विश्वास रहा और मेरे लिए रास्ता बनाया। उनके बिना यह यात्रा कभी संभव नहीं होती। मैं बीसीसीआई, यूपीसीए (उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन) और जीसीए (गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन) को भी धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मुझे एक क्रिकेटर के रूप में खुद को विकसित करने और अभिव्यक्त करने के लिए मंच और अवसर प्रदान किए। आज मेरे लिए बेहद भावनात्मक दिन है, क्योंकि मैं आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट के सभी प्रारूपों से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। भले ही मैं क्रीज से दूर हो जाऊं, लेकिन क्रिकेट हमेशा मेरे भीतर जिंदा रहेगा। अब मैं इस खूबसूरत खेल की भावना और सबक को अपने साथ लेकर एक नई यात्रा शुरू करने के लिए उत्सुक हूं।

पीयूष चावला का करियर

पीयूष ने 2006 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। उन्होंने अपना पहला मैच 2006 में मोहाली में इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच के रूप में खेला था। इसके बाद उन्होंने 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे डेब्यू और 2010 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 डेब्यू किया था। पीयूष ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच दिसंबर 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ, आखिरी वनडे 2011 में नीदरलैंड के खिलाफ और आखिरी टी20 मैच इंग्लैंड के खिलाफ 2012 में वानखेड़े में खेला था। इसके बाद वह कभी टीम इंडिया में जगह नहीं बना सके। हालांकि, उन्होंने आईपीएल खेलना जारी रखा और वह इस लीग के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में से एक हैं। पीयूष ने भारत के लिए तीन टेस्ट, 25 वनडे और सात टी20 मैच खेले। टेस्ट में उनके नाम सात विकेट, वनडे में 32 विकेट और टी20 में चार विकेट हैं। आईपीएल में उन्होंने 192 मैचों में 192 विकेट लिए। वह पिछले साल मुंबई इंडियंस की टीम का हिस्सा रहे थे। हालांकि, मेगा ऑक्शन से पहले उन्हें रिलीज किया गया और नीलामी में उन्हें किसी ने नहीं खरीदा। इसके बाद वह इस आईपीएल में कमेंट्री टीम का भी हिस्सा रहे।

न्यूजीलैंड ने रॉब वाल्टर को मुख्य कोच नियुक्त किया, गैरी स्टीड की जगह संभालेंगे जिम्मेदार

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने गैरी स्टीड के स्थान पर रॉब वाल्टर को अपनी पुरुष क्रिकेट टीम के तीनों प्रारूपों का कोच नियुक्त किया है। वाल्टर जनवरी 2023 से इस साल अप्रैल तक दक्षिण अफ़्रीका की वनडे और टी20 टीमों के कोच रहे। इससे पहले वह न्यूज़ीलैंड के ओटागो प्रांत और सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स एसोसिएशन में पांच साल तक कोच रहे। वाल्टर के कोच रहते हुए दक्षिण अफ्रीका ने वनडे विश्व कप 2023 और इस साल चौंपियंस ट्रॉफी के सैनी फाइनल में जगह बनाई थी। यही नहीं उन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाई थी। स्टीड 2018 से तीनों प्रारूपों में न्यूजीलैंड के मुख्य कोच थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इस सप्ताह के शुरू में घोषणा की कि वह उनके स्थान पर नए कोच की तलाश कर रहा है। स्टीड ने मार्च में घोषणा की थी कि वह सीमित ओवरों के प्रारूपों में अपनी भूमिका से हट रहे हैं, लेकिन टेस्ट कोच के रूप में बने रहना चाहते हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने हालांकि कहा कि वह तीनों प्रारूपों के लिए एक कोच को प्राथमिकता देता है। वाल्टर ने कहा, ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ काम करना एक शानदार अवसर है। यह रोमांचक है, चुनौतीपूर्ण है और बहुत बड़ा अवसर है।

विलियमसन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट का केंद्रीय अनुबंध ठुकराया

पूर्व कप्तान केन विलियम्सन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ केंद्रीय अनुबंध को फिर से अस्वीकार कर दिया है और उनका अगले महीने जिंबॉब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैच की सीरीज में खेलना संदिग्ध है। विलियम्सन ने पिछले साल भी केंद्रीय अनुबंध को स्वीकार नहीं किया था ताकि वह टी20 और दुनिया भर की अन्य लीगों में खेलने के लिए स्वतंत्र हो सकें। इसके बजाय उन्होंने पिछले साल एक अनौपचारिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

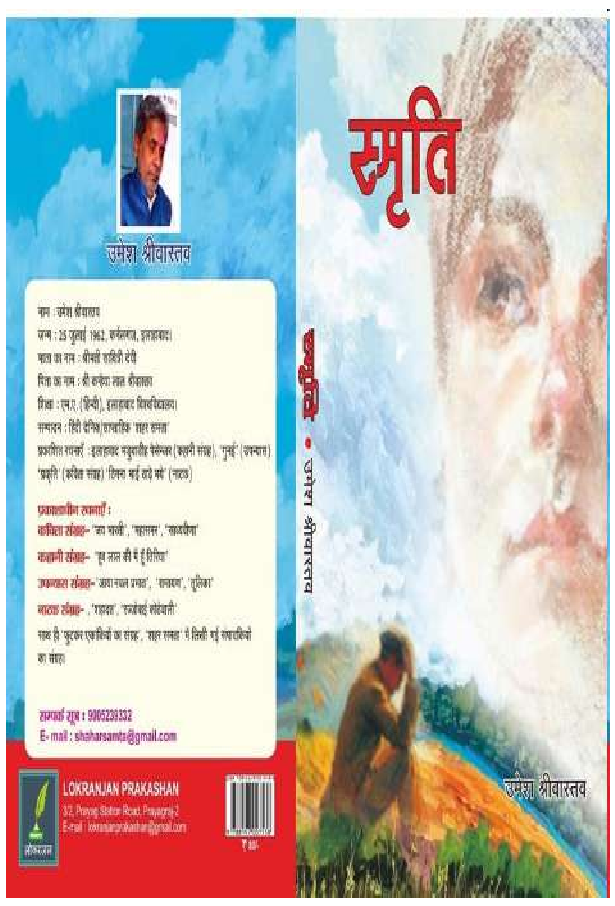

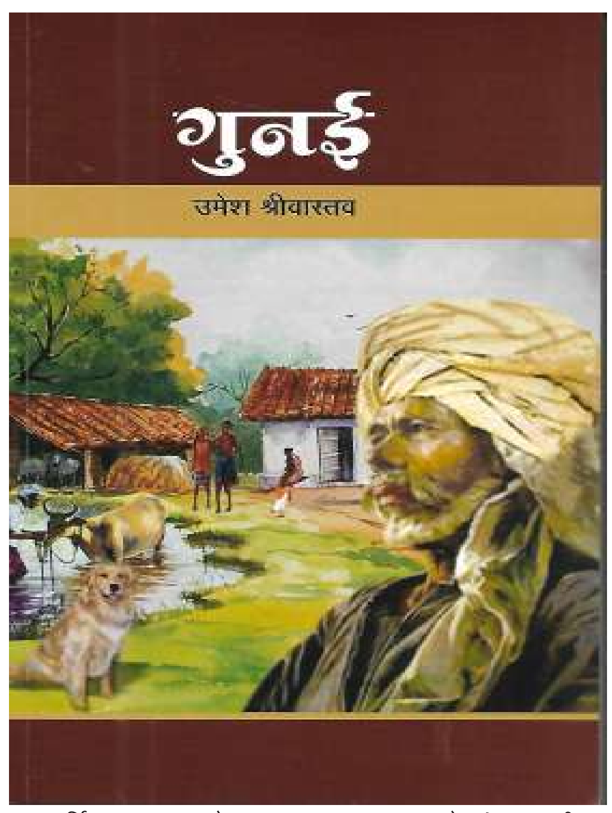

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

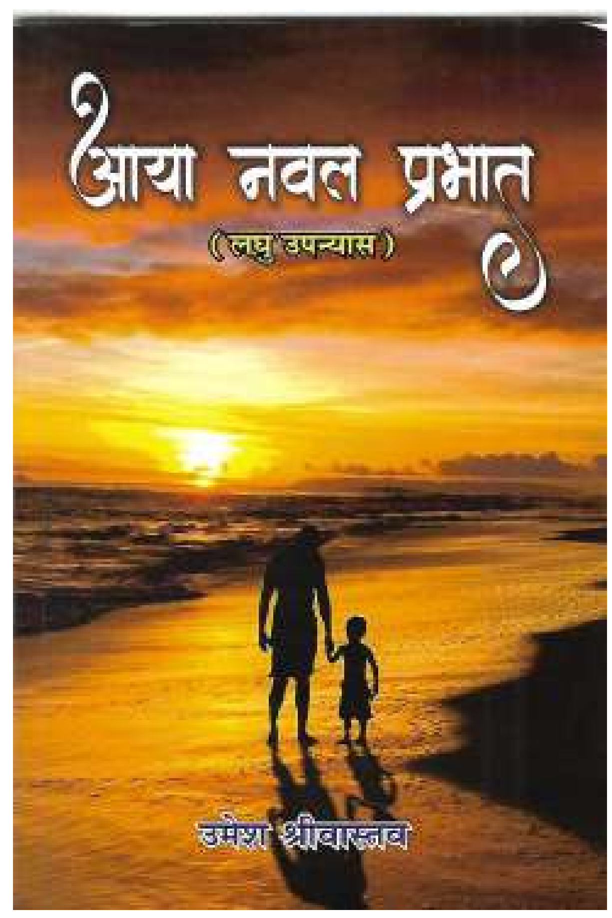

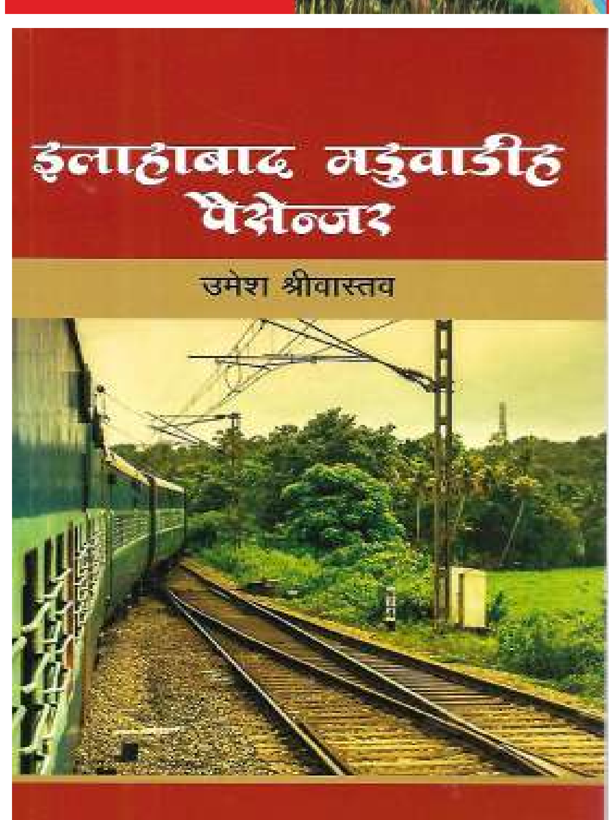

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

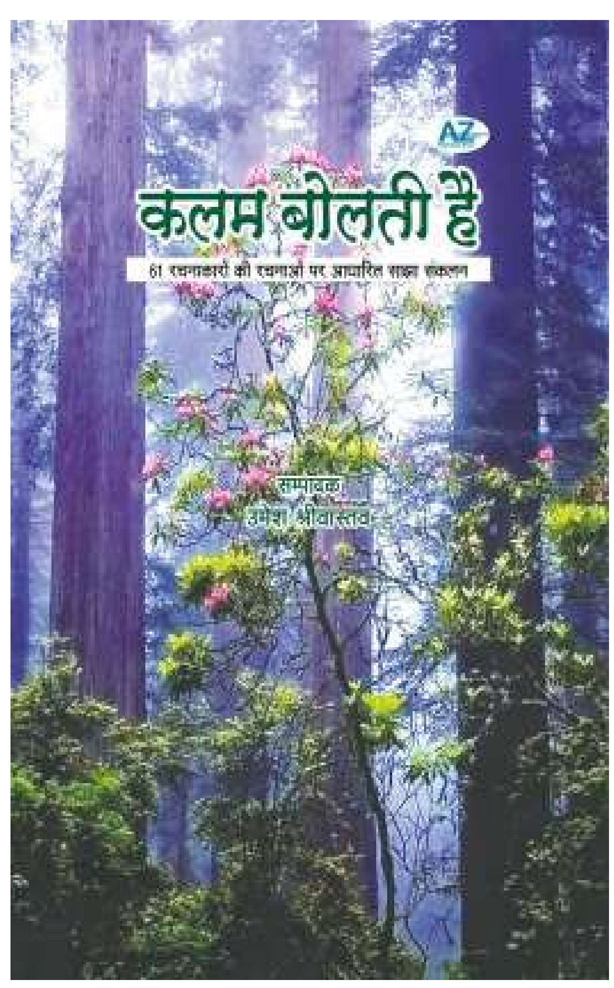

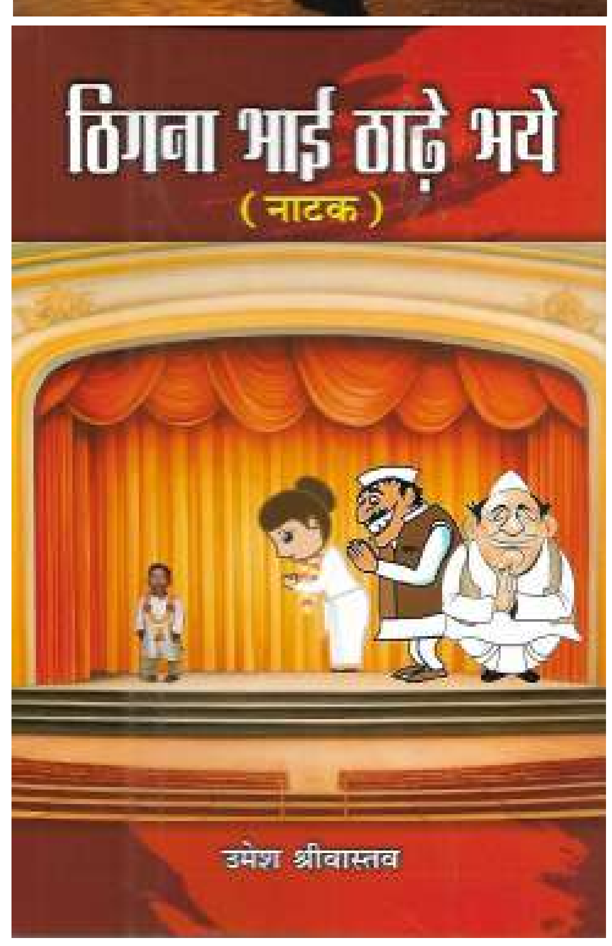

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

मस्क ने अपने अंतरिक्ष कैप्सूल की सेवाएं तत्काल निलंबित करने की धमकी दी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के बीच बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर बहस के दौरान दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक अंतरिक्ष यात्रियों और अन्य वस्तुओं को ले जाने में इस्तेमाल किए जाने वाले अंतरिक्ष कैप्सूल की सेवाएं निलंबित करने की धमकी दी है। ट्रंप की ओर से मस्क की रॉकेट कंपनी

'स्पेसएक्स' और इंटरनेट उपग्रह सेवा 'स्टारलिंक' को दिए गए सरकारी अनुबंधों में कटौती करने की धमकी दिए जाने के बाद मस्क ने 'एक्स' पर अपने जवाब में कहा ''स्पेसएक्स अपने ड्रैगन अंतरिक्ष यान की सेवाएं तत्काल निलंबित करना शुरू कर देगा।'' यह स्पष्ट नहीं है कि मस्क की धमकी कितनी असरदार साबित होगी, लेकिन सरकारी अनुबंधों की मदद से विकसित कैप्सूल, अंतरिक्ष स्टेशन के कामकाज को सुचारू रखने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। नासा अन्य कार्यक्रमों के लिए भी 'स्पेसएक्स पर बहुत अधिक निर्भर है, जिसमें अन्य मिशन को अंतरिक्ष में भेजना और अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाना शामिल है। 'स्पेसएक्स' फिलहाल एकमात्र अमेरिकी कंपनी है जो ड्रैगन कैप्सूल के जरिए अंतरिक्ष स्टेशन से चालक दल को लाने–ले जाने में सक्षम है।

एहसान फरामोश, मैं न होता तो चुनाव भी नहीं जीत पाते, भड़के एलन मस्क अब ट्रंप को कुर्सी से हटाएंगे?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और बिजनेसमैन एलन मस्क के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती अब खुलकर दुश्मनी में बदल गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति और एलन मस्क एक दूसरे को खुलेआम धमकी दे रहे हैं। दरअसल, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में मस्क ने ट्रंप का खुलकर समर्थन किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए ट्रंप के समर्थन में जबरदस्त कैंपेन चलाया था। कई मौकों पर सार्वजनिक रैलियों में शिरकत भी की थी। हालांकि मस्क को इसका इनाम

भी मिला और उन्हें डीओजीई का प्रभार सौंप दिया गया। लेकिन फिर ट्रंप का महत्वकांक्षी वन बिग ब्यूटीफुल बिल आया। जिसे जोर शोर से पारित किया गया। मस्क ने पहले दबी जुबान में इसका विरोध किया और फिर बात नहीं बनने पर खुलकर इसके विरोध में खड़े हो गए। अमेरिकी टैक्स बिल को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और अब तक उनके करीबी रहे उद्योगपति एलन मस्क के बीच श्महासंग्रामश शुरू हो गया है। मामला इतना बिगड़ गया कि मस्क ने ट्रम्प को श्एहसान फरामोशश कह दिया। मस्क ने कहा, श्मैं न होता तो ट्रम्प चुनाव हार जाते। डेमोक्रेट्स संसद पर कब्जा करते। सीनेट में रिपब्लिकन 51–49 के अंतर से जीतते।श गुरुवार को जिस दौरान ट्रम्प इस बारे में मीडिया से बात कर रहे थे, उसी दौरान मस्क ने सोशल मीडिया पर उनका जवाब देना शुरू कर दिया। इससे पहले ट्रम्प ने कहा कि मस्क को बिल की पूरी जानकारी थी। तब उन्हें दिक्कत नहीं थी। समस्या तब हुई, जब पता चला कि हम ईवी खरीदने के कानूनी आदेश में कटौती करेंगे। मैं इलॉन से निराश हूं। मैंने उनकी बहुत मदद की है।

बिल पास हुआ तो हर अमेरिकी पर 15 लाख कर्ज बढ़ेगा

सीबीओ के मुताबिक बिल से फेडरल कर्ज बढ़ने से हर अमेरिकी नागरिक पर औसतन 11 लाख रु. से अधिक का अतिरिक्त कर्ज बोझ बढ़ेगा। ब्याज दरों व राजस्व में गिरावट को जोड़ लें तो यह बोझ 15 लाख रु. प्रति व्यक्ति तक पहुंच सकता है। अगर टैक्स कट्स स्थायी हुए, तो बिल की लागत 5 ट्रिलियन डॉलर तक जा सकती है। यह अमेरिकी इतिहास में कर्ज की सबसे बड़ी छलांग होगी।

साथ खड़े होने पर गर्व...एलन मस्क–डोनाल्ड ट्रंप विवाद के बीच जेडी वेंस का आया बड़ा बयान

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना समर्थन दिया है। एक्स पर एक पोस्ट में वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने नेतृत्व वाले मूवमेंट का भरोसा जीतने के लिए मेरे जीवनकाल में किसी भी व्यक्ति से अधिक काम किया है। मुझे उनके साथ खड़े होने पर गर्व है। यह घटना एक ऑनलाइन विवाद के बाद हुई है जिसमें अमेरिकी बिजनेस टाइकून एलन मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एहसान फरामोश करार दिया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

जिसका डर था वही हुआ, एलन मस्क ने की ट्रंप पर महाभियोग लाने की मांग, जेडी वेंस बनेंगे अमेरिका के नए राष्ट्रपति ?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला सीईओ एलन मस्क के बीच विवाद और गहरा गया है। एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप पर महाभियोग की मांग की है। इसके साथ ही उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को राष्ट्रपति बनाने की बात भी कही है। अमेरिका में जब राष्ट्रपति चुनाव होने वाले थे तो आपने ट्रंप और मस्क की दोस्ती देखी थी। किस तरह से हर चुनाव प्रचार में मस्क हमेशा ट्रंप के साथ रहते थे और ट्रंप भी इस बात को मानते हैं कि दोनों के अबतक के संबंध बेहद ही अच्छे रहे हैं। लेकिन ट्रंप इस बात को भी दोहरा चुके हैं कि अब उनके संबंध शायद ही पहले जैसे रह सके। ऐसे वक्त में अब एलन मस्क की एक नई डिमांड सामने आई है। उन्होंने कहा है कि जेडी वेंस को राष्ट्रपति बनना चाहिए। इसके

साथ ही ट्रंप पर महाभियोग की मांग भी की गई है। डोनाल्ड ट्रंप ने कई ऐसे फैसले लिए जिसकी वजह से उन्हें आलोचनाएं भी झेलनी पड़ी। सरकारी विभागों में उन्होंने कटौतियां की और कर्मचारियों की छटनी की। बेफिजूल खर्च पर लगाम लगाया गया और ये टारगेट एक साल में एक तिहाई खर्च को कम करने का था। डीओजीई के तहत वो अपना काम बखूबी कर रहे थे। डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के बीच जो कैमेस्ट्री थी, जो बॉन्डिंग थी वो कई मंच से व कई मौकों पर तस्वीरों के माध्यम से पूरी दुनिया ने देखी। 2024 में चुनाव प्रचार के दौरान दोनों नेता करीब आते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की सबसे बड़ी जीत का श्रेय एलन मस्क को ही एक्सपर्ट्स ने तब दिया था। उन्होंने ट्रंप का सिर्फ समर्थन ही नहीं किया बल्कि ट्रंप के प्रचार में लगभग सात करोड़ डॉलर खर्च भी किए। उन्हीं एलन मस्क को डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव में जीत के बाद सबसे बड़ा तोहफा डीओजीई चीफ बनाकर दिया। आपको याद होगा जब ट्रंप पर अटैक हुआ था। उसीवक्त एलन मस्क ने उनका साथ दिया था और फंडिग भी की थी। लगातार वो तारीफों के पुल बांधते रहे। यहां तक की टैरिफ की भी जब घोषणा की गई तो वो डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ कर रहे थे। लेकिन अब अमेरिकी टैक्स बिल को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और अब तक उनके करीबी रहे उद्योगपति एलन मस्क के बीच श्महासंग्रामश शुरू हो गया है। मामला इतना बिगड़ गया कि मस्क ने ट्रम्प को एहसान फरामोश कह दिया।

क्या है बिग एंड ब्यूटीफुल बिल

यह बिल अमेरिका के 2017 के टैक्स्स कट को स्थायी बनाने का प्रयास है। यह एक व्यापक विधेयक है, जिसमें सीमा सुरक्षा, खर्च और टैक्स्स शामिल किए गए हैं। अमेरिका में रह रहे दूसरे देश के लोगों द्वारा घर पैसा भेजने पर 5 प्रतिशत का टैक्स्स लगाने को लेकर इसकी आलोचना भी खूब हो रही है। रिन्ध्यूवेबल एनर्जी जैसी चीजों के लिए सब्सिडी खत्ध्म करना इसमें शामिल है। ट्रंप का यह विधेयक बाइडेन युग के उस आदेश को समाप्त कर देगा, जिसके अनुसार 2032 तक नई कार की बिक्री में दो–तिहाई इलेक्ट्रिक वाहन होंगे। विधेयक में तेल, गैस और कोयला निकालने के लिए कंपनियों द्वारा भुगतान की जाने वाली रॉयल्टी रेट्स में कटौती का प्रस्ताव है।

500 डॉलर के ड्रोन से हजार करोड़ का लड़ाकू विमान उड़ाया

20 साल पुराने सॉफ्टवेयर के ओपन–सोर्स कोड का जेलेंस्की ने किया सबसे घातक इस्तेमाल

यूक्रेन के ऑपरेशन स्पाइडर वेब ने रूस को हिलाकर रख दिया है। ऑपरेशन स्पाइडर वेब के जरिए दुनिया ने क्या युद्ध का नया इतिहास देख लिया है? नया वर्तमान जरूर देखा और वो वर्तमान ड्रोन का है। ड्रोन भविष्य नहीं बल्कि वर्तमान हो चुका है। इसका समय आ गया है और हमारे सामने है। यूक्रेन ने ड्रोन के इस हमले से ड्रोन को लेकर सारी समझ बदल दी है। अगर आपके पास टीयू–95, जेएफ 17 या एफ 16 जैसे लड़ाकू विमान नहीं हैं तब भी आप ड्रोन से इनका मुकाबला कर सकते हैं। पांच सौ से लेकर हजार डॉलर का एक ड्रोन हजार करोड़ के लड़ाकू विमान को नष्ट कर सकता है। यूक्रेन के ड्रोन अटैक ने सीमाओं की सुरक्षा को भी भेद दिया है। सस्ते ड्रोन की मदद से दूसरे देश की सीमा आसानी से पार की जा सकती है।

20 साल पुराने सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल

बीच यह खुलासा हुआ है कि शौकिया ड्रोन द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले ओपन–सोर्स सॉफ़्टवेयर ने हमले को संचालित किया जिसने रूस के रणनीतिक लंबी दूरी के बमवर्षकों में से एक तिहाई को नष्ट कर दिया। दोपहर को हुआ यह हमला आधुनिक युद्ध में सबसे साहसी और तकनीकी रूप से समन्वित हमलों में से एक माना जाता है। इस ऑपरेशन की खास बात यह है कि इसमें किसी लेटेस्ट या महंगे मिलिट्री सॉफ्टवेयर का नहीं, बल्कि लगभग 20 साल पुराने एक ओपन–सोर्स ऑटोपायलट सिस्टम ArduPilot का इस्तेमाल किया गया।

उड़ने वाले रोबोट बनाना चाहता था

ArduPilot के मूल निर्माता ने इस मामले पर आश्चर्य व्यक्त किया है। उन्होंने याद करते हुए कि कैसे ड्रोन कंपनी की शुरुआत एक तहखाने से हुई थी। क्रिस एंडरसन ने लिंक्डइन पर हमले के फुटेज पर कमेंट करते हुए कहा कि 18 साल पहले मेरे तहखाने से लॉन्च किया गया था। एंडरसन ने कहा कि मैं एक लाख साल में भी इस परिणाम की भविष्यवाणी नहीं कर सकता था। मैं बस उड़ने वाले रोबोट बनाना चाहता था।

ऑपरेशन की खास बातें

ArduPilot सॉफ्टवेयर से ड्रोन को ऑटोनॉमस तरीके से कंट्रोल किया गया।

स्टारलिंक जैसे सैटेलाइट सिस्टम्स की जगह लोकल मोबाइल नेटवर्क और बेसिक हार्डवेयर (जैसे Raspberry Pi) का इस्तेमाल किया गया।

ऑपरेशन की प्लानिंग 18 महीने पहले से की गई थी।

इसे तीन टाइम जोन्स में एक साथ अंजाम दिया गया।

पुतिन पर भारी पड़े जेलेंस्की

यूक्रेन इस हमले से बहुत सारी आशंकाओं को जन्म दे रहा है और बहुत सारी धाराणाओं को ध्वस्त भी कर रहा है। घुड़सवारी कर, जिम जाकर, कुत्ते के साथ दिखकर, तैराकी करते हुए हर समय अपने आप को सत्ता के शिखर पर दिखाने के लिए लाइमलाइट बटोरनी की कोई कसर नहीं छोड़ी गई। इतने बड़े रूस में केवल पुतिन ही पुतिन दिखाई देते हैं। पुतिन ने रूस के लिए किसी देश की बात नहीं मानी। उनमें इतनी शक्ति थी कि नाटो से लेकर अमेरिका सबसे भिड़ गए। अमेरिकी प्रतिबंधों को बेपरवाह झेलते रहे। लेकिन यूक्रेन पर हमला नहीं रोका। लेकिन साधारण सी टी शर्ट और ढीले ढाले पैंट पहने जेलेंस्की ने मजबूत दिखने वाले नेता को भी सकते में डाल दिया है।

एलन बनाम ट्रंप होगा अगला अमेरिकी चुनाव ? नई पार्टी बनाने के लिए ऑनलाइन पोल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क के बीच की तूफ़ानी दोस्ती उतनी ही तेज़ी से और सार्वजनिक रूप से खत्म होती दिख रही है जितनी तेज़ी से इसकी शुरुआत हुई थी। कभी एक–दूसरे के असंभावित सहयोगी माने जाने वाले ये दोनों अब एक कड़वे विवाद में उलझे हुए हैं।

इस विवाद के बीच, मस्क ने एक नई राजनीतिक पार्टी शुरू करने का संकेत दिया है। मस्क ने एक पोल पोस्ट किया कि क्या अमेरिका में एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने का समय आ गया है जो वास्तव में मध्य वर्ग के 80प्रतिशत लोगों का प्रतिनिधित्व करती हो? यह सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई उन पोस्टों में से एक है जिसमें टेस्ला के सीईओ ने ट्रंप के बिल की खुलकर आलोचना की है। मस्क ने कहा कि मैं न होता तो ट्रम्प चुनाव हार जाते। डेमोक्रेट्स संसद पर कब्जा करते। सीनेट में रिपब्लिकन 51–49 के अंतर से जीतते।

ट्रंप ने मस्क को विश्वाघाटी बताया

डोनाल्ड ट्रंप ने भी पीछे नहीं हटे। राष्ट्रपति ने अपने ट्रुथ सोशल पोस्ट के ज़रिए जवाबी हमला किया। उन्होंने कहा कि वे मस्क से बहुत निराश हैं, जो कभी उनके वफ़ादार समर्थक और व्हाइट हाउस के अंदरूनी सूत्र भी रहे थे। ट्रंप ने एक कदम आगे बढ़कर मस्क की कंपनियों को दिए जाने वाले अमेरिकी सरकारी अनुबंधों और सब्सिडी को रद्द करने की धमकी दी। ट्रंप ने लिखा कि हमारे बजट, अरबों–खरबों डॉलर में पैसे बचाने का सबसे आसान तरीका एलन की सरकारी सब्सिडी और अनुबंधों को समाप्त करना है। मुझे हमेशा आश्चर्य होता था कि बाइडेन ने ऐसा क्यों नहीं किया!

नई पार्टी के लिए मस्क का ऑनलाइन पोल

ट्रम्प से तनातनी के बीच टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ मस्क ने नई राजनीतिक पार्टी की बात करके सियासी हलचल मचा दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोल डाला, श्क्या अमेरिका में नई राजनीतिक पार्टी बनाने का समय आ गया है, जो बीच के 80: लोगों का प्रतिनिधित्व करे? पोल में कुछ ही देर में तीन लाख से ज्यादा लोगों ने वोट किया। इनमें से 84: लोगों ने नई पार्टी के पक्ष में वोट दिया। मस्क के इस सवाल को दो–दलीय व्यवस्था के प्रति असंतोष के बीच नई संभावना तलाशने का प्रयास माना जा रहा है। मस्क ने कहा, संसद अमेरिका को दिवालियापन की ओर ले जा रही है। यही नहीं, मस्क ने ऐसे बिल के विरोध में ट्रम्प और उनकी टीम की पुरानी सोशल मीडिया पोस्ट शेयर करते हुए उनको घेरना शुरू किया।

आतंकवाद और पाकिस्तान के कनेक्शन को लेकर सभी देशों के विचार एकदम क्लीयर, बोले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य संधू

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि आतंकवाद के साथ पाकिस्तान के जुड़ाव के बारे में भागीदार देशों के बीच विचार स्पष्ट हैं। संधू ने एएनआई को बताया कि चीन और पाकिस्तान के बीच बढ़ती पहुंच को लेकर भी चिंता है। संधू ने कहा कि आतंकवाद के साथ पाकिस्तान के जुड़ाव के बारे में स्पष्ट सोच है। पाकिस्तानी सेना की भूमिका, कि वे वास्तविक शक्ति प्रदान करते हैं। इस बारे में विचार स्पष्ट हैं कि पाकिस्तानी सेना अपने देश में अपनी वैधता स्थापित करने के लिए विदेश में तनाव पैदा करती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में

लोग चीन के बारे में बहुत स्पष्ट हैं... लोग चीन और पाकिस्तान के बीच बढ़ती पहुंच को लेकर चिंतित हैं। पाकिस्तान को सावधान रहना चाहिए क्योंकि उनके प्रचार के बावजूद, वास्तविकता उन्हें परेशान करेगी। उन्होंने कहा कि जिन देशों में वे गए, वे सभी देश भारत के साथ संबंध स्थापित करना चाहते थे। हमारे विकासोन्मुखी दृष्टिकोण और पाकिस्तान उन्हें जो कुछ भी दे रहा है, उसके बीच स्पष्ट अंतर था। चारों देशों में, भारत के साथ मजबूत आर्थिक संबंध बनाने की स्पष्ट मांग थी। एक आम विषय यह था कि वे आईआईटी स्थापित करना चाहते थे। हमारे विकासोन्मुखी दृष्टिकोण और पाकिस्तान उन्हें जो कुछ भी दे रहा है, उसके बीच स्पष्ट अंतर है... इन सभी देशों में, भारत के साथ अपनी मौजूदा आर्थिक साझेदारी को और गहरा करने की इच्छा थी... उनके साथ जुड़ना, विशेष रूप से आतंकवाद पर अपना मामला रखना, उन्हें बहुत समझ में आया और उन्होंने हमारी स्थिति का दृढ़ता से समर्थन किया। इस बीच, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के नेता और कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारत–अमेरिका रणनीतिक साझेदारी, क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने पर संयुक्त राज्य अमेरिका की सीनेट विदेश संबंध समिति के साथ चर्चा की। थरूर ने कहा कि वह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के लिए उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए अमेरिका के प्रति आभारी हैं। उन्होंने कहा कि कैपिटल हिल में कल अमेरिकी सीनेट की विदेश संबंध समिति के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। भारत–अमेरिका रणनीतिक साझेदारी, क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने पर उपयोगी चर्चा हुई। विचारों के गहन आदान–प्रदान और हमारे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए आभारी हूं।

ट्रंप के गिड़गिड़ाने पर माने जिनपिंग

टैरिफ वार्ता के ठप होने से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बातचीत हुई है। इस बातचीत की रिपोर्ट चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने दी। खबर लिखे जाने तक व्हाइट हाउस ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।